RNI NO-UPHIN/2023/84340

# सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार , 23 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 95 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड में 15 लोगों की मौत

## लखनऊ एनिमेशन सेंटर अग्निकांड: रोते-बिलखते बच्चों ने बताई आपबीती, कुछ छात्र जान बचाने के लिए बाथरूम में छिपे

**लखनऊ/एजेंसी**

राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र स्थित पुरनिया में सोमवार को एक एनिमेशन सेंटर में लगी भीषण आग ने दर्जनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। हादसे के बाद बाहर निकले बच्चों की आंखों में डर साफ दिखाई दे रहा था। कोई अपने दोस्तों को पुकार रहा था तो कोई रोते हुए बता रहा था कि कैसे धुएं से बचने के लिए उसने बाथरूम में शरण ली।

**कुछ बाथरूम में छिप तो कुछ ने लगाई छलांग**

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगते ही कुछ ही मिनटों में पूरी इमारत धुएं से भर गई। अंदर मौजूद छात्रों में चीख-पुकार मच गई। कई बच्चों को समझ ही नहीं आया कि बाहर निकलने का रास्ता कहां है। कुछ छात्र जान बचाने के लिए बाथरूम में छिप गए, जबकि कई अन्य ने ऊंचाई से छलांग लगाकर अपनी जान बचाने की कोशिश की।

**एक दूसरे के बारे में पूछकर रोते नजर आए बच्चे**

हादसे से बचकर निकले एक छात्र ने बताया कि अचानक क्लासरूम में धुआं भरने लगा। सांस लेना मुश्किल हो गया था। सभी बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे। कुछ साथी बाथरूम की तरफ दौड़े, जबकि कई खिड़कियों और सीढ़ियों की ओर भागने लगे। बाहर निकलने के बाद भी कई बच्चे अपने दोस्तों के बारे में पूछते हुए रोते नजर आए।

**दीवार तोड़कर चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन**

हादसा इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोग भी भावुक हो गए। कई बच्चों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया। राहत और बचाव कार्य के दौरान आसपास के लोगों ने भी अपनी जान जोखिम में डालकर छात्रों को सुरक्षित निकालने का प्रयास किया। बगल के मकान की छत से कोचिंग सेंटर की दीवार तोड़कर अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश की गई।

**उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दी जानकारी:** मौके पर पहुंचे उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी आंखों से कई शव देखे हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना की जांच के आदेश देते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है।

## सीएम योगी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

**लखनऊ**

राजधानी लखनऊ में सोमवार को अलीगंज क्षेत्र के पुरनिया में एक कोचिंग सेंटर में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद बिल्डिंग में धुआं भर गया। इससे अंदर मौजूद छात्रों में भगदड़ मच गई। कई छात्रों ने जान बचाने के लिए ऊंचाई से छलांग लगा दी। इससे वह घायल हो गए। वहीं, 14 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर डीजीपी राजीव कृष्ण और प्रमुख सचिव संजय प्रसाद भी पहुंच गए हैं। लखनऊ के जिलाधिकारी और प्रशासनिक टीम के साथ पुलिस बल मौजूद है। राहत बचाव कार्य लगातार जारी है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे हैं। बगल के घर की छत से कोचिंग की दीवार काटकर रेस्क्यू का प्रयास किया गया। अभी तक 10 लोगों को रेस्क्यू कर ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। घटनास्थल पर मौजूद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि मैंने अपनी आंखों से 14 शव देखे हैं।

**मुख्यमंत्री योगी ने घटनास्थल का किया निरीक्षण**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ का दौरा रद्द कर लखनऊ लौटे और घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरे मामले की जानकारी अफसरों से ली।

**पीएम मोदी ने जताई संवेदना, मुआवजे की घोषणा की**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अग्निकांड में मृतकों व घायलों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये व घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है।

# राम मंदिर चढ़ावा घोटाला: सीबीआई जांच और एफआईआर के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

**नई दिल्ली/एजेंसी**

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं का मामला अब देश की सबसे बड़ी अदालत के दरवाजे पर पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक जनहित याचिका दायर कर इस पूरे मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज करने और समयबद्ध जांच कराने की गुहार लगाई गई है। दो प्रैक्टिसिंग वकीलों की ओर से दायर इस याचिका ने राम मंदिर के निर्माण और प्रबंधन की देखरेख करने वाले 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के नेतृत्व वाली एक बहु-विषयक विशेष जांच टीम (एसआईटी) को सौंपी जानी चाहिए। याचिका में कहा गया है कि ट्रस्ट के मामलों और प्रशासन से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों और अन्य कथित गैर-कानूनी गतिविधियों की गहन और स्वतंत्र जांच होना बेहद जरूरी है, ताकि पूरी सच्चाई देश के सामने आ सके।

अधिवक्ता अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव की ओर से दायर इस याचिका में केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को प्रतिवादी बनाया गया है। याचिका में अदालत से यह निर्देश देने की मांग की गई है कि वे जनहित की रक्षा के लिए एक मजबूत नियामक, पर्यवेक्षी और ऑडिट तंत्र का गठन करें।

# योग अनुशासित जीवनशैली का मूल मंत्र : डॉ. जीएस तोमर

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) तथा आरोग्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में ह्लस्वस्थ आयु के लिए योगह्व विषय पर सोमवार को एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि योग अनुशासित जीवनशैली का मूल मंत्र है।

स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन एवं रोग प्रतिकार में योग की भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए डॉ. तोमर ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य का संपोषक होने के साथ-साथ अनंत ऊर्जा का प्रदाता भी है। योग से पुष्ट शरीर, सजग मस्तिष्क एवं सकारात्मक भाव के साथ-साथ सृजनात्मकता भी उत्पन्न होती है। योग को प्रतिदिन की दिनचर्या का अभिन्न बनाना होगा तभी हम स्वस्थ नागरिक एवं शांतिपूर्ण विश्व की परिकल्पना साकार कर सकेंगे। उन्होंने शिवावतार महायोगी गोरखनाथ के इडा, पिंगला को सन्तुलित कर सुषुम्ना के जागरण को योग की चरम उपलब्धि बताया एवं योग को मात्र एक शारीरिक व्यायाम नहीं सम्पूर्ण जीवन दर्शन बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आरोग्य भारती, गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ. डीपी सिंह ने योग को चित्त की, आयुर्वेद को शरीर की एवं व्याकरण महाभाष्य को वाणी की शुद्धि के लिए महर्षि पतंजलि द्वारा आविर्भूत बताया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक डॉ. जयंत नाथ ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया। कार्यक्रम का प्रारम्भ भगवान धन्वन्तरि एवं शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ के पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान संकाय के डीन एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विमल कुमार द्विवेदी और आभार ज्ञापन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम् ने किया।

इस अवसर पर फामेर्सी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, आयुर्वेद संकाय के डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. डीके सिंह, फामेर्सी संकाय के दिलीप मिश्रा, पीयूष आनंद, दीपक कुमार, पैरामेडिकल के अभिनव राठौर, डॉ. अंकिता दीक्षित, आकाश वर्मा, कुलदीप यादव सहित विभिन्न संकायों के अनेक प्राध्यापक एवं पैरामेडिकल के लगभग 200 छात्र उपस्थित रहे।

**आयुर्वेद चिकित्सालय में मरीजों का हुआ निशुल्क परीक्षण**

महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम की विशिष्ट ओपीडी में विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने गठिया, दमा, डायबिटीज, हृदयरोग, त्वचा रोग आदि के करीब दो सौ रोगियों का परीक्षण कर निशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। डॉ. तोमर ने सभी को रोग के अनुसार दवाओं का सेवन करने के साथ आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।

## व्यापारी सुरक्षा गोष्ठी का आयोजन, एएसपी ने व्यापारियों के साथ की संवाद

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी** । पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कौशाम्बी स्थित दुर्गा भाभी सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्रीमती अमिता सिंह की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी में जनपद के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्रों के सरार्फा व्यापारी, उद्योगपति, मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं स्थानीय व्यापारीगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा व्यापारियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने, रात्रि गश्त बढ़ाने, पुलिस-व्यापारी समन्वय को मजबूत करने तथा हेल्पलाइन नंबरों के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया। साथ ही सभी व्यापारियों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

## सैनी पुलिस ने 2 अपहृताओं को किया बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी।** जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं उनके सकुशल बरामदगी हेतु शासन द्वारा संचालित अभियान मिशन शक्ति के अंतर्गत सतत प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा निर्गत निदेर्शों के क्रम में प्रभावी एवं कार्यवाही करते हुए सोमवार को थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत विभिन्न अपहरण से संबंधित 2 अपहृता/पीड़िता को विभिन्न स्थानों से सकुशल बरामद किया गया है।

दोनो अपहृता/पीड़िता को विधिक प्रक्रिया के तहत आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण एवं काउंसलिंग हेतु भेजा गया है । अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है ।

उक्त प्रकरण से संबंधित आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य संकलन करते हुए वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है ।

## डीएम एसपी ने मोहर्रम त्यौहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए सम्भ्रांत नागरिकों के साथ की बैठक

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी।** जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण ने उदयन सभागार में मोहर्रम त्यौहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं सम्भ्रांत नागरिकों के साथ बैठक की।

जिलाधिकारी ने सम्भ्रांत नागरिकों से कहा कि त्यौहार को आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण मनाया जाए। आसपास के लोगों से भी आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण त्यौहार मनाने के लिए अपील की जाए। कोई भी गैर परंपरागत कार्य न किया जाए। ताजिया की ऊंचाई 12 फीट से कम रखा जाए। छुरीबाजी एवं चाकूबाजी का प्रदर्शन न किया जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर कोई भी भ्रामक/आपत्तिजनक पोस्ट न किया जाए, अगर कोई भी भ्रामक/आपत्तिजनक पोस्ट वायरल हो रही है, तो अफवाहों पर ध्यान न देते हुए तत्काल प्रशासन को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति जनपद की शांति एवं कानून व्यवस्था बिगड़ने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को ताजियादारों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिशासी अधिकारियों एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी जलभराव न होने पाए। उन्होंने अधिशासी अभियंता, विद्युत को ढीले तारों को ठीक कराने के भी निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को जुलूस मार्गों का भ्रमण कर सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ताजियेदारों से कहा कि सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रहेगी। कोई भी समस्या आती है ,तो तत्काल प्रशासन को अवगत कराया जाए। उन्होंने ताजियेदारों से आपसी सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने की अपील की।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ओम प्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह , सभी उप जिलाधिकारीगण एवं क्षेत्राधिकारीगण सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

## मलवां की पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर बीयर एवं शराब नष्ट किया

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर।** मलवां थाना परिसर में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत विभिन्न अभियोगों से संबंधित जब्त अवैध बीयर एवं अवैध शराब को नियमानुसार नष्ट कराया गया। यह कार्यवाही न्यायालय के आदेश एवं जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति की उपस्थिति में की गई।

इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी नगर, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) एवं प्रभारी निरीक्षक थाना मलवा की मौजूदगी में थाना मलवां परिसर में गड्ढा खुदवाकर जेसीबी मशीन के माध्यम से जब्त अवैध बीयर एवं अवैध शराब का विनिष्टीकरण कराया गया। पांच अभियोगों से संबंधित लगभग 90 लाख रुपये मूल्य की 12,048 कैन अवैध बीयर एवं 10749.973 लीटर अवैध शराब का नियमानुसार पूर्ण विनिष्टीकरण किया गया।

## गाजियाबाद में विभिन्न सड़क हादसों में दो की मौत, 22 घायल

**गाजियाबाद।** उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में सोमवार को हुए तीन अलग-अलग सड़क हादसों में दो चालकों की मौत हो गई, जबकि 22 लोग घायल हो गए।

पहला हादसा एनएच-नौ पर बागू के पास हुआ। हरिद्वार से गंगा स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा मालवाहक टेंपो आगे चल रही रोडवेज बस में अनियंत्रित होकर घुस गया। हादसे में टेंपो चालक नोएडा के सेक्टर-110 निवासी 40 वर्षीय राजेश कुमार की मौत हो गई। वहीं, टेंपो सवार 13 लोग घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने बताया कि घायलों में मंजू देवी, रितेश, अमन ,रोशनी, करन, रीना ,नेहा, प्रियंका ,संगीता, हर्ष, प्रिंस आदि हैं।

## चोरी में अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के गहने, मोबाइल व रुपए बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी** । 16 जून को थाना कौशाम्बी पर वादिनी रन्नो देवी पत्नी सानन्त पाण्डेय निवासी हिसामबाद थाना व जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी बीती रात्रि में अज्ञात चोर द्वारा घर में घुसकर मोबाइल, गहने व रुपए चोरी कर लिये गये है । दिनांक 20.06.2026 को वादिनी बीमा देवी पत्नी जीतेन्द्र कुमार निवासी ग्राम थोन थाना मोहब्बतपुर पइन्सा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मैं अपने मायके ग्राम गोप सहसा आयी थी । 18 जून की रात्रि में मनीष पाण्डेय मेरे घर में घुसकर 2 मोबाइल तथा पायल चोरी कर भाग गया । उपरोक्त चोरी की घटनाओं के शीघ्र व सफल अनावरण एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना कौशाम्बी को निर्देशित किया गया था ।

सोमवार को थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा आस-पास के लोगो से पूछताछ, सर्विलांस/सीसीटीवी कैमरों की मदद से उपरोक्त चोरी की घटनाओं से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मनीष पाण्डेय पुत्र बलराम निवासी ग्राम गोप सहसा थाना व जनपद कौशाम्बी को मुखबिर खास की सूचना के आधार पर महिला पुल के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से चोरी का 02 जोड़ी पायल, 05 बिछिया सफेद धातु, 01 जोड़ा कनफूल, 5 मंगलसूत्र, 01 जोड़ा झुमका, 01 अंगूठी पीली धातु, 03 मोबाइल फोन एवं 4650 रुपए नगद बरामद किया ।

गिरफ्तार अभियुक्तों से कड़ाई से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि मैने दिनांक 15.06.2026 की रात्रि में हिसामबाद गांव के एक घर से मोबाइल व गहने चोरी किये थे तथा दिनांक 17/18.06.2026 की रात्रि में ग्राम गोप सहसा में एक घर से पायल व 02 कि-पैड मोबाइल चोरी किये थे । सभी बरामद सामान इन्ही चोरी से सम्बन्धित है । शेष सामान मैने बेच दिया है, मिले हुये पैसे खर्च हो गये है उनमें से सिर्फ 4650 रू0 बचा है ।

## नाबालिग से दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर।** पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना खागा पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट थाना खागा जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त दिव्य मिश्रा उर्फ सत्यम मिश्रा पुत्र चन्द्रदत्त मिश्रा निवासी नई बाजार कस्बा व थाना खागा जनपद फतेहपुर उम्र लगभग -19 वर्ष को कैनाल रोड़ नहर पुलिया के पास कस्वा व थाना खागा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को आज दिनांक- 22.06.2026 मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त दिव्य मिश्रा उर्फ सत्यम मिश्रा से पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में ज्ञात हुआ कि वादी मुकदमा की एक चाट की दुकान थी, जहाँ अभियुक्त का चाट खाने के लिए नियमित रूप से आना-जाना लगा रहता था। दुकान पर इसी आवागमन के दौरान अभियुक्त की मुलाकात वादी मुकदमा की पुत्री से हुई, जो कालान्तर में गहरी दोस्ती में परिवर्तित हो गई। अभियुक्त और पीड़िता के मध्य पिछले कुछ वर्षों से यह मेल-जोल व दोस्ती का सिलसिला लगातार चल रहा था।

**गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम**

अपराध निरीक्षक रामआशीष यादव.वरि0उ0नि0 कृष्ण कुमार यादव.हे0का0 सूर्यप्रकाश परिहार ।

## थाने में आत्मदाह प्रयास से मचा हड़कंप लापरवाही पर पुलिस अधीक्षक की बड़ी कार्रवाई

**संजीव विश्वकर्मा**

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बिजनौर!** बिजनौर शहर कोतवाली में रविवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब ससुराल पक्ष द्वारा प्रताड़ना की शिकायत लेकर पहुंची एक युवती ने थाने के भीतर खुद को आग लगाने का प्रयास कर लिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया, हालांकि युवती गंभीर रूप से झुलस गई और उसे उपचार के लिए पहले जिला अस्पताल तथा बाद में मेरठ रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार युवती मानसिक तनाव की स्थिति में कोतवाली पहुंची थी। इसी दौरान उसने आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और आग बुझाकर युवती को अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के अनुसार यदि कुछ सेकेंड की भी देरी हो जाती तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी।

चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद युवती को बेहतर इलाज के लिए मेरठ भेजा गया है। पुलिस का दावा है कि समय पर उपचार मिलने से उसकी स्थिति में सुधार हो रहा है। घटना के बाद कई सवाल भी खड़े हो गए हैंk

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि युवती थाने के भीतर ज्वलनशील पदार्थ लेकर कैसे पहुंच गई और सुरक्षा जांच में यह चूक कैसे हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने शहर कोतवाली प्रभारी अमर सिंह राठौर को प्रथम दृष्टया लापरवाही मानते हुए निलंबित कर दिया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। युवती के इस कदम के पीछे की परिस्थितियों, पारिवारिक विवाद और सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक की भी पड़ताल की जा रही है। घटना पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है।

## पीर मजार पर की कार्यवाही के विरोध में डीएम से मिला असपा प्रतिनिधिमण्डल

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बिजनौर!** धामपुर टीचर्स कॉलोनी स्थित पीर मजार के निकट सार्वजनिक मार्ग पर की गई प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर आज आजाद समाज पार्टी का एक प्रतिनिधिमण्डल सांसद प्रतिनिधि विवेक कुमार के नेतृत्व में डीएम जसजीत कौर से मिला तथा उन्हें तहसील प्रशासन द्वारा पीर मजार के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई पर विरोध दर्ज कराया` डीएम ने इस मामले में पूरी तरह वैधानिक कार्यवाही का आश्वासन दिया` इसी मामले में एसडीएम धामपुर ने क्षेत्र में विभिन्न चचाओं के बीच पूरे प्रकरण पर अपना पक्ष सामने रखा है। उपजिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा के अनुसार कार्रवाई राजस्व अभिलेखों और जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है तथा इसका उद्देश्य केवल सार्वजनिक भूमि को अवरोधमुक्त कराना था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 मार्च 2026 को टीचर्स कॉलोनी निवासी नरेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, अजय कुमार सहित अन्य नागरिकों ने जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर ग्राम धामपुर हुसैनपुर में स्थित गाटा संख्या 221 से संबंधित भूमि तथा उससे जुड़े सार्वजनिक मार्गों की जांच की मांग की थी।

शिकायत के बाद राजस्व विभाग द्वारा कराई गई जांच में गाटा संख्या 220, जो अभिलेखों में चकमार्ग के रूप में दर्ज है, पर सीमेंट के पायों के रूप में अवरोध पाया गया। वहीं गाटा संख्या 1326/3, जो राजस्व रिकॉर्ड में सड़क पुख्ता के रूप में दर्ज है, पर भी निर्माण कार्य होने की पुष्टि हुई।

प्रशासन का कहना है कि दोनों गाटे सार्वजनिक उपयोग की भूमि हैं और उन पर किसी भी प्रकार का अवरोध आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न करता है। इसी आधार पर 19 जून 2026 को राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवरोध हटाने की कार्रवाई की।

एसडीएम स्मृति मिश्रा ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक कार्रवाई किसी धार्मिक स्थल या समुदाय को लक्ष्य बनाकर नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा सार्वजनिक भूमि और मार्गों को सुरक्षित एवं अवरोधमुक्त बनाए रखने की है। यदि किसी पक्ष को कार्रवाई पर आपत्ति है तो वह विधिक प्रक्रिया के तहत सक्षम न्यायालय अथवा प्रशासनिक मंच पर अपनी बात रख सकता है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें तथा सामाजिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

## किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) ने सौंपा ज्ञापन

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बिजनौर,** भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक)जिलाध्यक्ष नितिन कुमार के नेतृत्व में किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने कहा कि बढ़ती खेती लागत, नकली कृषि सामग्री, प्रशासनिक जटिलताओं और सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर न मिलने से किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं।

ज्ञापन में संगठन ने अंश निर्धारण के लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण, फार्मर आईडी से संबंधित त्रुटियों का समाधान, उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की। इसके अलावा नकली कीटनाशकों, उर्वरकों एवं बीजों की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी उठाई गई।

किसान नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर विद्युत लाइनों और ओवरलोड ट्रांसफार्मरों को बदलने, कृषि फीडरों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, सूखा और कीट प्रकोप से फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने आवारा और निराश्रित पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान कर गौशालाओं को सुदृढ़ बनाने पर भी जोर दिया।

ज्ञापन में नहरों, रजवाहों और ट्यूबवेलों से पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराने, गन्ना किसानों का बकाया भुगतान ब्याज सहित कराने तथा कृषि यंत्र, बीज और योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव एवं भ्रष्टाचार के किसानों तक पहुंचाने की मांग की गई। भाकियू (अराजनीतिक) ने हाल ही में प्राप्त मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर किसानों की भूमि की उर्वरता सुधारने हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं संबंधित विभागों के साथ विशेष कार्ययोजना लागू करने की मांग भी उठाई। साथ ही भूमिहीन किसानों, खतौनी संशोधन, नामांतरण और अन्य राजस्व मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने की बात कही गई।

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो किसान व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

## प्रयागराज में विश्व हिंदू रक्षा परिषद की बैठक, समाजहित में कार्य का लिया संकल्प: पंकज प्रधान

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** जागो हिंदू जागो अभियान के अंतर्गत विश्व हिन्दू रक्षा परिषद की ओर से रविवार को बजरंग वाटिका, टिकरी थाना नवाबगंज, प्रयागराज में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू रक्षाा परिषद के राष्ट्रीय महासचिव पंकज प्रधान जी, श्रृंगवेरपुर धाम के पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी शांडिल्य जी महाराज शामिल हुए।

पंकज प्रधान ने कहा केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के निदेर्शों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रधान ने कहा कि संगठन के विस्तार में कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका से आगामी अभियानों को सफल बनाया जा सकता है।

वहीं संगठन के राष्ट्रीय महासचिव पंकज प्रधान ने कहा कि विश्व हिंदू रक्षा परिषद का उद्देश्य समाज में एकता, जागरूकता और सेवा की भावना को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि संगठन देशभर में अपने कार्यकताओं के माध्यम से सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने नए पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे संगठन की नीतियों और विचारों को आम लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए भी निरंतर कार्य करें।

इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि नए पदाधिकारियों की नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी और समाज के विभिन्न वर्गों तक संगठन की विचारधारा को पहुंचाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं और समाजहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। संगठन के कार्यकताओं ने भी नए पदाधिकारियों के साथ मिलकर संगठन को आगे बढ़ाने की बात कही।

इस दौरान प्रदेश मंत्री उमेश चंद्र त्रिपाठी, प्रयागराज ज़िलाध्यक्ष डॉ रमापति त्रिपाठी, सारांश पांडेय, जिला उपाध्यक्ष अंजनी पांडेय, जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, जिला मंत्री आशीष सिंह एडवोकेट, मीडिया प्रभारी आशीष केशरवानी, प्रतिमा मिश्रा, विवेक त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा शंकरलाल केशरवानी, रुद्र सिंह ठाकुर, आशीष केशरवानी, संजय फौजी शिवाकांत मिश्रा प्रधान जी श्याम नारायण पांडे लल्लू पांडे महेंद्र पांडे सुनील पांडे रमेश पूर्व प्रधान सुरेश कुमार मोनू पांडे अशोक शंकर मिश्रा नंदन पांडे अनिल पांडे योगेश पांडे सुनील मिश्रा

शंकर लाल केशरवानी सुनील पांडे रुद्र प्रताप सिंह बच्चा शुक्ल रमेश तिवारी राजीव शुक्ला प्रमोद मिश्रा आदि संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

# शासी निकाय की बैठक में डीएम ने नाराजगी जाहिर की

**सबसे तेज प्रयागराज**
**प्रयागराज।** जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक हुई। बैठक में जनपद में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सरकारी चिकित्सालयों की बजाय प्राइवेट चिकित्सालयो में बड़ी संख्या में डिलीवरी होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निष्क्रिय तथा प्राइवेट अस्पतालों में प्रसव हेतु गर्भवती महिलाओं को ले जाने वाली आशाओं को चिन्हित करके उनको हटाने का निर्देश दिया। वहीं, जिलाधिकारी ने जनपद में जननी सुरक्षा योजना में अच्छा कार्य करने वाली आशाओं तथा एएनएम को अगले बैठक में सम्मानित कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जिला महिला चिकित्सालय में पिछले साल की तुलना में कम प्रसव होने पर नाराजगी व्यक्त करते प्रमुख चिकित्सा अधीक्षिका को कम प्रसव होने के कारणों की समीक्षा करने तथा स्टाफ द्वारा गर्भवती महिलाओं तथा उनके परिजनों से शिष्ट व्यवहार करने हेतु प्रेरित करने का निर्देश दिया। जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों के भुगतान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जिला महिला चिकित्सालय में संविदा पर कार्यरत अकाउंटेंट को लापरवाही बरतने पर चेतावनी पत्र जारी करने तथा सुधार परिलक्षित नहीं होने की स्थिति में उसकी संविदा सेवा समाप्त करने का निर्देश

दिया। मातृ मृत्यु की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने समस्त चिकित्सा अधीक्षकों को शत प्रतिशत मातृ-मृत्यु की रिपोर्टिंग करने तथा समय से उसकी समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। ई-कवच पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण में निम्न उपलब्धि वाले ब्लॉकों क्रमशः चाका,सोराव , बहरिया, भगवतपुर फूलपुर के चिकित्सा अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने की ब्लॉकवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शहरी क्षेत्र, कौंधियारा, उरुवा, प्रतापपुर, सैदाबाद, बहादुरपुर बहरिया करछना मेजा ब्लॉक की प्रगति से नाराजगी जताई तथा निर्देशित किया कि प्रत्येक दिन प्रत्येक आईडी से कम से कम एक गोल्डेन कार्ड अवश्य बनाया जाए. एसएनसीयू की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सीएचसी फूलपुर एवं जिला महिला चिकित्सालय की बेड ऑक्यूपेंसी रेट कम होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि उक्त सुविधाओ का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि आम जनता सरकारी चिकित्सालयों में उपलब्ध सेवाओं का मुक्त में लाभ प्राप्त कर सके। जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए पुरुषों की सहभागिता बढ़ाने हेतु सघन रूप से प्रचार-प्रसार की गतिविधियों को क्रियान्वित करने का निर्देश दिया. एचबीएनसी कार्यक्रम के अंतर्गत शंकरगढ़, उरुवा, कौंधियारा, चाका मेजा के चिकित्सा अधीक्षकों को नवजात शिशुओं के घरों में आशाओं के गृह भ्रमण को बढ़ाने का निर्देश दिया।

आयुष्मान आरोग्य योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने लंबे समय से गायब तीन सीएचओ की संविदा सेवा तत्काल समाप्त करने का निर्देश सीएमओ को दिया. आभा, आईडी बनाने में निम्नतम वाले ब्लॉकों क्रमशः रामनगर, बहरिया, सैदाबाद चाका, भगवतपुर, कौड़ीहार, हंडिया एवं कोराव के चिकित्सा अधीक्षकों को चेतावनी पत्र जारी करने का निर्देश दिया।

## प्रयागराज जंक्शन पर शराब तस्कर गिरफ्तार, अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**
**प्रयागराज।** रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में बढ़ती चोरी, छिनैती और अवैध तस्करी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 से एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज तथा पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।

सोमवार को उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार दुबे, प्रभारी चौकी जीआरपी मांडा प्रयागराज तथा आरपीएफ की संयुक्त टीम ने प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर हावड़ा साइड स्थित मजार के पास चेकिंग के दौरान आकाश राजभर पुत्र रतन राजभर को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर जीआरपी प्रयागराज थाने में आरोपी के विरुद्ध मु.अ.सं. 254/2026 के तहत धारा 60 आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

## यूपी टीईटी – 2026 : 2 से 4 जुलाई तक 955 केंद्रों पर होगी परीक्षा, 30 जून से डाउनलोड करें प्रवेश पत्र

### 60 जनपदों में दो पालियों में परीक्षा, वैध प्रवेश पत्र के बिना नहीं मिलेगी एंट्री

**सबसे तेज प्रयागराज**
**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश में शिक्षक बनने का सपना देख रहे लाखों अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज ने यूपी टीईटी -2026 की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परीक्षा प्रदेश के 60 जनपदों के 955 केंद्रों पर पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की जाएगी।

यूपी टीईटी-2026 का आयोजन 02 एवं 03 जुलाई को प्रतिदिन दो पालियों में तथा 04 जुलाई को प्रथम पाली में होगा। 02 जुलाई को दोनों पालियों में उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) की परीक्षा होगी। 03 जुलाई को प्रथम पाली में उच्च प्राथमिक स्तर और द्वितीय पाली में प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) की परीक्षा कराई जाएगी। 04 जुलाई को प्रथम पाली में प्राथमिक स्तर की परीक्षा होगी। प्रथम पाली सुबह 09:30 बजे से 12:00 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 02:30 बजे से सायं 05:00 बजे तक चलेगी।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 22 जून से परीक्षा जनपद संबंधी अंतिम सूचना आयोग की वेबसाइट https://upessc.up.gov.inपर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर दिए गए लिंक से अपनी प्रविष्टियों का सत्यापन कर परीक्षा जनपद की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होने बताया कि प्रवेश पत्र 30 जून 2026 से आयोग की वेबसाइट पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध होंगे। सभी अभ्यर्थी समय से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लें और उसमें दिए गए निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। बिना वैध प्रवेश पत्र के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

आयोग के अध्यक्ष डा प्रशान्त कुमार ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की कि वह निर्धारित समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचें और अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने में आयोग का सहयोग करें। आयोग ने परीक्षा को नकलविहीन और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी जरूरी इंतजाम पूरे कर लिए हैं।

# सीए बने हर्षवर्धन, इलाका हुआ हर्षित, भैरोपुर के लाल ने किया कमाल

### गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने ढोल ताशे बजाकर फूल मालाओं से किया स्वागत

**सबसे तेज प्रयागराज**
**प्रयागराज।** नवाबगंज क्षेत्र के कुढ़ा ग्राम पंचायत के भैरोपुर गांव के होनहार किशोर ने कमाल कर दिया। हर्ष वर्धन पाण्डेय ने सीए (चार्टड एकाउंटेंट) बनकर गांव वालों का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता एवं प्रयागराज जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि शंकर पांडेय के बड़े सुपुत्र हर्षवर्धन पांडेय ने यह मुकाम हासिल किया है। रविवार को अपने पैतृक गांव भैरोपुर पहुंचने पर समूचे गांव ने ढोल ताशे एवं गाजे बाजे के साथ उनका स्वागत किया। खुशी में मिठाई बांटकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया गया। ग्रामीणों ने फूलमालाओं से हर्षवर्धन को लाद दिया।

गौरतलब है कि गौरवशाली उपलब्धि हासिल करने वाले हर्ष वर्धन पाण्डेय भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक प्रभाशंकर पांडेय व वरिष्ठ पत्रकार शिवाशंकर पाण्डेय के भतीजे और इलाहाबाद हाईकोर्ट के अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता के ज्येष्ठ पुत्र हैं। 18 जून को रिजल्ट घोषित होने के बाद रविवार को माता विभादेवी, पिता रवि शंकर पाण्डेय और छोटे भाई यश वर्धन के साथ पैतृक गांव पहुंचे हर्ष वर्धन पाण्डेय ने पत्रकारों से कहा कि गुरुजनों के उचित मार्गदर्शन और परिवार के उत्साहवर्धन से यह सफलता के इस मुकाम पर पहुंचाया।

## पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज की भागवद कथा 27 से

**सबसे तेज प्रयागराज**
**प्रयागराज।** अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज हरिद्वार में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के कार्य परिषद की बैठक से वापस लौटते हुए आज प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान बडी संख्या में शिष्यों ने आशीर्वाद लिया। पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज ने बताया कि 27 जून से वृन्दावन के सोनरख रोड स्थित विश्वनाथ धाम दण्डी आश्रम में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा शुरू हो रही है जिसकी पूणार्हुति और भण्डारा तीन जुलाई को आश्रम में होगा। उन्होंने बताया कि भागवद कथा आश्रम में प्रतिदिन दोपहर दो बजे से शाम सात बजे तक होगी, इस दौरान भागवद कथा कराने वाले और सुनने से होने वाले पुण्य, वृन्दावन में भागवद कथा सुनने से होने वाले पुण्य सहित अन्य प्रसंग सुनाया जाएगा। कथा के यजमान चरखी दादरी के लोग है। पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज ने बताया कि धार्मिक स्थलों कर भागवद कथा कराना, सुनना और लोगों को सुनाने से भी अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि वृन्दावन, तीर्थराज प्रयागराज, चित्रकूट, श्री अयोध्या धाम, नैमिष्यरायण (सीतापुर ), काशी विश्वनाथ (वाराणसी) सहित अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल है।

# डॉ. मुखर्जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएंगे कार्यकर्ता : अनिल दीक्षित

**कानपुर।** डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए समर्पित रहा तथा स्मरण अभियान के माध्यम से उनके विचारों और राष्ट्रसेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। यह बातें सोमवार को भाजपा कानपुर उत्तर के जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहीं।

भारतीय जनता पार्टी कानपुर उत्तर की संगठनात्मक बैठक सोमवार को नवीन मार्केट स्थित जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से लेकर 6 जुलाई को उनकी जयंती तक चलने वाले ह्यडॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मरण अभियानह्न की तैयारियों और कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।

जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान देश की अखंडता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकताओं से अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक में अभियान के तहत जिले के सभी बूथों और मंडलों में श्रद्धांजलि सभाएं, पुष्पांजलि कार्यक्रम, विचार गोष्ठियां, संगोष्ठियां, प्रदर्शनी, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तय की गई। इन कार्यक्रमों में युवाओं, प्रबुद्धजनों और समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि अभियान के लिए जिला उपाध्यक्ष सत्यम गुप्ता को संयोजक बनाया गया है, जबकि जिला मंत्री पारस मदान, किरण तिवारी और शालिनी कटियार को सहसंयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैठक में जिला महामंत्री अवधेश सोनकर, अभिनव दीक्षित, प्रमोद विश्वकर्मा, जन्मेजय सिंह, सतेंद्र नाथ पांडेय, सीमा एमबीए, नवाब सिंह, विनोद पाल, मोनेन्द्र राजपूत, जीतू कश्यप, प्रशांत त्रिपाठी, पूनम कंवर, सुरेश गुप्ता, जिशान अहमद, श्याम कुमार समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

## प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय जनसम्पर्क कार्यालय के अलावा अब क्षेत्रीय कार्यालय में भी होगी जनसुनवाई

### पहले दिन महापौर ने अधिकारियों को दिए जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और विकास कार्यों को गति देने के लिए महापौर अशोक कुमार तिवारी ने सोमवार से एक नई पहल की है। महापौर अब प्रत्येक सोमवार को रोहनिया स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय में जनसुनवाई करेंगे। इस नई व्यवस्था के पहले दिन सोमवार को महापौर ने सुबह से लेकर अपरान्ह दो बजे तक आम लोगों की समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

महापौर पहले से ही हर मंगलवार को जवाहर नगर गुरूधाम स्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय जनसम्पर्क कार्यालय में आम लोगों की जनसमस्याएं सुनते आ रहे हैं। अब संसदीय कार्यालय के अलावा उन्होंने रोहनिया स्थित भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय में भी जनसुनवाई करने का निर्णय लिया है, ताकि शहर के दूसरे हिस्से के नागरिकों को अपनी समस्याओं को लेकर दूर न जाना पड़े। इस अवसर पर महापौर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र में जनता की सेवा ही सर्वोपरि है। वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से काम करने को कहा। महापौर ने जोर देकर कहा कि यह सीधा संवाद न सिर्फ जनता के विश्वास को सशक्त करता है, बल्कि विकास को जन-जन तक पहुंचाने के हमारे संकल्प को भी मजबूत करता है। पहले दिन की जनसुनवाई में मुख्य रूप से सफाई, पेयजल, पथ प्रकाश और सड़कों से जुड़ी शिकायतें आईं, जिन्हें दूर करने के लिए संबंधित विभागों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

## मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 140 नवदम्पत्ति परिणय सूत्र में बंधे

**सबसे तेज प्रयागराज**
**प्रयागराज।** समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत सोमवार को मेवा लाल इण्टर कालेज सोरांव में विकास खण्ड कौड़िहार के 14, श्रृंग्वेरपुर धाम के 29, भगवतपुर के 12, सोरांव के 19, होलागढ़ के 33, विकास खण्ड मऊआइमा के 30 एवं नगर पंचायत लालगोपालगंज के 3 जोड़ों सहित कुल 140 नवदम्पत्तियों का विवाह कार्यक्रम का आयोजन सकुशल सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सिद्वार्थ नाथ सिंह विधायक शहर पश्चिमी, सुरेन्द्र चौधरी सदस्य विधान परिषद, प्रदीप कुमार पासी ब्लाक प्रमुख सोरांव आदि विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों द्वारा नव विवाहित जोड़ों को शुभाशीष प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वैवाहिक कार्यक्रम में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं सम्बन्धित विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नवीन चौधरी द्वारा किया गया।

# न्याय नगर में मार्ग व नाली अतिक्रमण मामले में नगर आयुक्त व एसडीएम फूलपुर से हाईकोर्ट ने मांगा हलफनामा

**प्रयागराज।** इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्रयागराज के फूलपुर तहसील स्थित मोहल्ला न्याय नगर, चक हरिहरन में सार्वजनिक मार्ग और नालियों के अतिक्रमण को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कड़े निर्देश दिए हैं।

याचिकाकर्ता अनमोल रतन ने बताया कि मोहल्ले में अवैध अतिक्रमण के कारण नालियां और सार्वजनिक रास्ते बाधित हो गए हैं। नाली की सफाई नहीं हो सकी है। बरसात का मौसम नजदीक आने से क्षेत्र में गंभीर जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने का खतरा है।

न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे तत्काल सुनवाई के लिए लिया और नगर आयुक्त, नगर निगम प्रयागराज और उपजिलाधिकारी फूलपुर को तीन दिन के भीतर अलग-अलग हलफनामा दाखिल कर कारण बताने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 25 जून को होगी।

## बिहार के भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में ब्राह्मण समाज ने सौंपा ज्ञापन

**हमीरपुर।** बिहार में भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ का मामले को लेकर हमीरपुर में सोमवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर नारेबाजी की। मामले की उच्च स्तरीय जाँच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर राष्ट्रपति से सम्बोधित ज्ञापन एडीएम वित्त एवं राजस्व को सौंपा।

अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की जिलाध्यक्ष दीपा तिवारी के नेतृत्व दिए ज्ञापन कहा कि कहा कि बिहार के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर की घटना से समाज में व्यापक चिंता और आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन देने के पश्चात उपस्थित कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत भरत तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

# रात्रि चौपाल में विधायक ने सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं, योजनाओं की दी गई जानकारी

**सबसे तेज प्रयागराज**
**सहसों।** केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के अंतर्गत जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के तहत विकासखंड सहसों की ग्राम पंचायत चिलौड़ा में सोमवार को रात्रि चौपाल का आयोजन ग्राम प्रधान कृष्ण कुमार चौरसिया के अध्यक्षता में किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में फूलपुर के विधायक दीपक पटेल मौजूद रहे उन्होने लोगों की फरियाद सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए दिशा निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिविर में बाल विकास पुष्टाहार, कृषि प्रधानमंत्री आवास वृद्धापेंशन, समूह लघु सिंचाई आदि विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें तमाम योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई।

चौपाल में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, रोजगार, पंचायत एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर विधायक दीपक पटेल ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई भी की कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपक पटेल ने कहा कि मुझे विधायक बनने चिरौरा का भी सहयोग था 12 पूरा होने पर साहसों का ब्लॉक बनना भी एक उपलब्धि है योगी आदित्यनाथ नाथ को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाना है मोदी आप सब के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री बने पिछले 12 सालों में उन्होंने रोज नया कीर्तिमान बनाया एक भी दिन छुट्टी नहीं ली वो गरीबों का दर्द जानते हैं आज हमें बड़ा परिवर्तन दिखाई दे रहा है पिछली सरकारों केवल लूटने का काम किया शौचालय से लेकर आवास स्वास्थ उज्वला गैस लखपति दीदी जैसी तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है कोई क्षेत्र अछूता नहीं है योगी की सरकार कोई भी माफिया अपराधी दिखाई नहीं दे रहा है जैसे मोदी ने सबसे अधिक दिनों तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया है इसी तरफ तीसरी बार योगी आदित्यनाथ को भी मुख्यमंत्री बनाकर एक रिकार्ड बनाया है

इस अवसर मुख्य रूप से खंड विकास अधिकारी रामवीर सिंह पाल सहित कई अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन किया।इस अवसर पर मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख गीता सिंह पार्षद अरुण मिश्रा पिंटू नेता, आदित्य सिंह विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, भूपेन्द्र पांडेय, उप कृषि निदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा बीडीओ राजवीर पाल ग्राम विकास अधिकारी आशमा सिंह, विनय तिवारी आदि मौजूद रहे।

## संपादकीय

### फोन की स्क्रीन से लेकर समाज तक फैलता उन्माद

रोज सुबह आँख खुलते ही हम सबसे पहले क्या करते हैं? तकिए के नीचे से फोन निकालते हैं और वॉट्सएप या फेसबुक स्क्रॉल करने लगते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से सुबह-सुबह मूड फ्रेश होने की बजाय दिमाग खराब हो जाता है। स्क्रीन पर कोई न कोई ऐसा वीडियो या पोस्ट दिख ही जाती है, जहाँ लोग एक-दूसरे को गाली दे रहे होते हैं। कोई धर्म के नाम पर लड़ रहा है, कोई जाति के नाम पर, तो कोई अपनी पसंदीदा राजनीतिक पार्टी के चक्कर में सामने वाले को नीचा दिखा रहा है। पढ़े-लिखे लोग इसे ह्यहेट स्पीचह्ल कहते हैं, पर सीधी भाषा में कहें तो यह सीधे-सीधे नफरत फैलाना और समाज में जहर घोलना है।

कभी सोचा है कि जो भाषा हम अपनों से बात करने के लिए इस्तेमाल करते थे, वो आज दूसरों को जख्म देने का औजार कैसे बन गई? अरे भाई, सीधा सा हिसाब है झ आज नफरत का एक बहुत बड़ा धंधा चल रहा है। पुराने जमाने में अगर दो लोगों की लड़ाई होती थी, तो मोहल्ले के चार लोग आकर बीच-बचाव कर देते थे और बात वहीं रफा-दफा हो जाती थी। लेकिन आज इंटरनेट और स्मार्टफोन के दौर में कहानी बदल चुकी है। अब किसी ने बंद कमरे में बैठकर कैमरे के सामने कोई भड़काऊ बात बोली, सोशल मीडिया पर डाली, और चंद सेकंड में वो वीडियो देश के कोने-कोने में बैठे करोड़ों लोगों के फोन तक पहुँच गया। सोशल मीडिया कंपनियाँ भी कमाल हैं, उनके कंप्यूटर प्रोग्राम यानि एल्गोरिदम को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि देश में शांति है या नहीं। उन्हें बस फायदा देखना है। जिस पोस्ट पर लोग जितना ज्यादा गुस्सा करेंगे, गाली-गलौज वाले कमेंट लिखेंगे, वो पोस्ट उतनी ही ज्यादा वायरल होगी। यानी जितनी ज्यादा नफरत, उतना ज्यादा मुनाफा। पर इस पूरी नौटंकी में पिस कौन रहा है? हम और आप। हमारा वो आपसी भरोसा टूट रहा है जो बरसों से साथ रहने से बना था। यह जहरीली बातें सिर्फ स्क्रीन तक सीमित नहीं रहतीं, ये धीरे-धीरे हमारे दिमाग में घर कर जाती हैं। जब हम रोज सुबह-शाम अपने फोन पर नफरत भरा कचरा देखेंगे, तो अनजाने में हमारे भीतर भी सामने वाले के लिए शक पैदा होने लगेगा। सड़क पर चलते हुए हम अपनों को भी शक की निगाह से देखने लगते हैं। अदालतें चिल्ला रही हैं, पुलिस भी कभी-कभार पकड़-धकड़ करती है, लेकिन सिर्फ कानून के भरोसे बैठना बेवकूफी होगी। पुलिस तो तब आएगी जब दंगा हो चुका होगा या किसी का सिर फूट चुका होगा। लेकिन जो जहर लोगों के दिलों में घुल चुका है, उसे साफ करने के लिए कोर्ट की कोई धारा काम नहीं आएगी। इस बीमारी का इलाज डॉक्टर के पास नहीं, हमारे खुद के पास है। हमें अपनी उंगलियों पर थोड़ा कंट्रोल रखना होगा। जब भी फोन पर कोई ऐसा मैसेज आए जिसे पढ़कर गुस्सा आए या जो किसी समाज के खिलाफ हो, तो उसे आगे ह्यफॉरवर्डह्ल करने की बजाय वहीं डिलीट मार दें। हमारी एक छोटी सी समझदारी किसी बड़ी अनहोनी को टाल सकती है। हर वायरल होने वाली चीज को सच मत मानिए, थोड़ा रुककर सोचिए कि इसे फैलाने वाले का क्या फायदा है। दुनिया में हर इंसान एक जैसा नहीं सोच सकता, और यही खूबसूरती है। लेकिन अलग राय होने का मतलब यह नहीं कि हम लाठियां उठा लें या जबान से तीर चलाएं। बात ऐसी होनी चाहिए जो दिलों को जोड़े, न कि दीवारें खड़ी करे।

अगली बार जब फोन पर अंगूठा चलाएं, तो याद रखें कि उस पार भी हमारी ही तरह हाड़-मांस का एक इंसान बैठा है।

# काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पांच विकार बनाम आपदा में अवसर

**एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं**

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के विकास का इतिहास केवल भौतिक प्रगति का इतिहास नहीं है, बल्कि यह मानवीय भावनाओं,प्रवृत्तियों और मानसिक अवस्थाओं के निरंतर संघर्ष,संतुलन और परिष्कार का भी इतिहास है।भारतीय दर्शन में काम,क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार को सामान्यतःपंचविकार कहा गया है। धर्मग्रंथों,संत साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में इनका उल्लेख ऐसे तत्वों के रूप में किया गया है जो मनुष्य को पतन की ओर ले जा सकते हैं।किंतु यदि इनका गहन अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि ये भाव स्वयं में न तो पूर्णतः अच्छे हैं और न ही पूर्णतःबुरे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन पांच विकारों का सदुपयोग करने और उन्हें अवसर में बदलने की अवधारणा को हम इस प्रकार समझ सकते हैंः काम (इच्छा/उत्साह)ःइसे वासना के बजाय कुछ बड़ा हासिल करने या उत्कृष्ट लक्ष्य (जैसे रचनात्मक कार्य या समाज सेवा) के प्रति जुनून में बदलें।क्रोध (रोष)ःइसे दूसरों या स्वयं के विनाश के बजाय, अन्याय और अपनी कमियों के खिलाफ लड़ने की दृढ़ शक्ति में बदलें।लोभ (लालच)ः भौतिक वस्तुओं के लालच को ज्ञान, अच्छे कर्म, और आध्यात्मिक उन्नति के प्रति लालसा में बदलें,मोह (लगाव)ः सांसारिक मोह को अपने काम, परिवार और मानवता के प्रति सच्ची प्रेम भावना में बदलें अहंकार (घमंड)ः इसे मैं सबसे श्रेष्ठ हूँ के झूठे अहंकार से निकालकर मैं सब कुछ सीख सकता हूँ के आत्मविश्वास में बदलें।

साथियों वास्तव में ये मानव व्यक्तित्व की स्वाभाविक शक्तियां हैं, जिनका परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि उनका उपयोग किस उद्देश्य और किस दिशा में किया जा रहा है। यदि इन्हीं भावनाओं को समाज कल्याण,लोक कल्याण, धार्मिक सहायता,सांस्कृतिक संरक्षण और जनहित के कार्यों में नियोजित किया जाए,तो यही पंचविकार मानव उत्थान और सामाजिक परिवर्तन के साधन बन सकते हैं।भारतीय चिंतन सदैव यह कहता रहा है कि मनुष्य का मूल्यांकन केवल उसके भीतर उत्पन्न होने वाले भावों से नहीं,बल्कि उन भावों के उपयोग और परिणामों से किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए काम केवल भौतिक इच्छा नहीं है, बल्कि सृजन की प्रेरणा भी है। क्रोध केवल विनाश का माध्यम नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी बन सकता है। लोभ यदि व्यक्तिगत स्वार्थ तक सीमित रहे तो हानिकारक है, किंतु यदि वह समाज के लिए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने की आकांक्षा में परिवर्तित हो जाए तो विकास का माध्यम बन सकता है। मोह यदि केवल व्यक्तियों तक सीमित न रहकर संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का रूप ले ले तो वह सामाजिक एकता का आधार बन जाता है। इसी प्रकार अहंकार यदि आत्ममुग्धता न बनकर आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में परिवर्तित हो जाए तो समाज को दिशा देने का कार्य करता है। इसलिए यह मान लेना कि इन भावों का उदय होते ही व्यक्ति गलत मार्ग पर चल पड़ा है, एक अधूरी और सतही समझ होगी।

**साथियो, विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि अधिकांश सामाजिक आंदोलनों,स्वतंत्रता संघर्षों और जनजागरण अभियानों के पीछे मानवीय भावनाओं की प्रबल भूमिका रही है।अन्याय के विरुद्ध क्रोध,समाज के प्रति मोह, परिवर्तन की इच्छा और नेतृत्व का आत्मविश्वास ही बड़े-बड़े आंदोलनों को जन्म देता है।**

साथियों बात अगर हम इन पांचो विकारों में से किसी एक की तुलना महाराष्ट्र शासन की एक कमेटी के निर्णय से करें तो 17 जून 2026 को महाराष्ट्र में मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उपसमिति द्वारा 44 मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इससे पहले 29 सितंबर 2025 को भी 77 मामलों को वापस लेने की सिफारिश की गई थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सरकार केवल एक बार की कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि एक संस्थागत व्यवस्था विकसित करने का प्रयास कर रही है जिसके माध्यम से ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा की जा सके। यह दृष्टिकोण प्रशासनिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक माना जा सकता है।इन मामलों की प्रकृति पर ध्यानदेना भी आवश्यक है।समिति द्वारा जिन मामलों को वापस लेने की सिफारिश की जाती है,वे मुख्य रूप से गणेशोत्सव, नवरात्रोत्सव, दहीहंडी, श्रमिक आंदोलनों, सामाजिक कार्यक्रमों तथा विभिन्न वैचारिक या जनहित आंदोलनों से जुड़े होते हैं। ऐसे आयोजनों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होती है और कभी-कभी प्रशासनिक प्रक्रियाओं या स्थानीय परिस्थितियों के कारण मामले दर्ज हो जाते हैं।

साथियों,यदि इन मामलों में कोई गंभीर आपराधिक मंशा नहीं है और वे केवल सार्वजनिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों से संबंधित हैं, तो उनकी पुनर्समीक्षा लोकतांत्रिक न्याय की भावना के अनुरूप मानी जा सकती है।हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें स्पष्ट सीमाएं और अपवाद निर्धारित किए गए हैं।महिलाओं के विरुद्ध अपराध, हत्या, गंभीर हिंसा, गंभीर मारपीट जैसे जघन्य अपराध तथा व्यक्तिगत या दीवानी विवादों से जुड़े मामलों को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाती। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि सामाजिक या राजनीतिक गतिविधियों की आड़ में गंभीर अपराधों को संरक्षण न मिले। इसी प्रकार जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का अंतिम निपटारा न्यायालयों के निदेशों के अनुसार किया जाता है। इससे यह संदेश जाता है कि कानून के शासन और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

साथियों, महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा सकती है। इस समिति का उद्देश्य उन मामलों की पहचान करना है जो मुख्यतः सामाजिक धार्मिक या राजनीतिक गतिविधियों के दौरान दर्ज हुए हैं और जिनमें गंभीर आपराधिक तत्व नहीं हैं। समिति के समक्ष आने वाले प्रत्येक आवेदन की गहन जांच की जाती है। इसके बाद जिन मामलों को वापस लेने योग्य माना जाता है, उन्हें पुलिस उपायुक्त की अध्यक्षता वाली क्षेत्रीय समितियों के पास भेजा जाता है, जहां आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती है। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि केवल उचित मामलों को ही राहत मिले और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता बनी रहे।

साथियो, विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि अधिकांश सामाजिक आंदोलनों,स्वतंत्रता संघर्षों और जनजागरण अभियानों के पीछे मानवीय भावनाओं की प्रबल भूमिका रही है।अन्याय के विरुद्ध क्रोध,समाज के प्रति मोह, परिवर्तन की इच्छा और नेतृत्व का आत्मविश्वास ही बड़े-बड़े आंदोलनों को जन्म देता है।यदि महात्मा गांधी को अंग्रेजी शासन की अन्यायपूर्ण नीतियों पर नैतिक आक्रोश न होता,यदि नेल्सन मंडेला कोरंगभेद के विरुद्ध संघर्ष की तीव्र भावना न होती,यदि मार्टिन लूथर किंग जूनियर को सामाजिक समानता के लिए गहरा समर्पण न होता, तो इतिहास की दिशा संभवतः अलग होती। इसका अर्थ यह है कि मानवीय भावनाओं को केवल विकार कहकर नकार देना उचित नहीं है; उन्हें सकारात्मक दिशा देना अधिक महत्वपूर्ण है।

# पप्पू से जननायक तक: राहुल गांधी का नया सियासी अवतार

**दिलीप कुमार पाठक**

भारतीय राजनीति में शायद ही किसी नेता ने छवि के मोर्चे पर इतने उतार-चढ़ाव देखे होंगे जितने राहुल गांधी ने देखे हैं। एक दौर था जब विरोधियों ने उन्हें पप्पू कहकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की हदें पार कर दी थीं। लेकिन आज, जब वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर हैं, तो उनकी राजनीति में एक अलग परिपक्वता दिखाई देती है। हाल ही में राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ उनका छात्रों की गूंज आंदोलन और पेपर लीक के खिलाफ उनका आक्रामक रुख यह साफ करता है कि राहुल गांधी अब सिर्फ विरासत की राजनीति नहीं कर रहे, बल्कि सड़क और संसद दोनों जगह जनता की नब्ज पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस राजनीतिक सफर को दो हिस्सों में देखा जा सकता है झ पहला भारत जोड़ो यात्रा से पहले का और दूसरा उसके बाद का। कन्याकुमारी से कश्मीर और फिर मणिपुर से मुंबई तक की यात्राओं ने राहुल गांधी की पूरी छवि को बदल कर रख दिया। इन यात्राओं ने उन्हें बंद कमरों की वातानुकूलित राजनीति से निकालकर तपती धूप और आम लोगों के बीच ला खड़ा किया। जब वे ट्रक ड्राइवरों, कुली भाइयों, मैकेनिकों और आम बेरोजगार युवाओं से गले मिलते दिखे, तो जनता को उनमें एक ऐसा नेता नजर आने लगा जो उनकी बात सुनने के लिए तैयार था। यही कारण है कि आज मीडिया और जनता उन्हें एक गंभीर राजनेता के रूप में देखने लगी है।

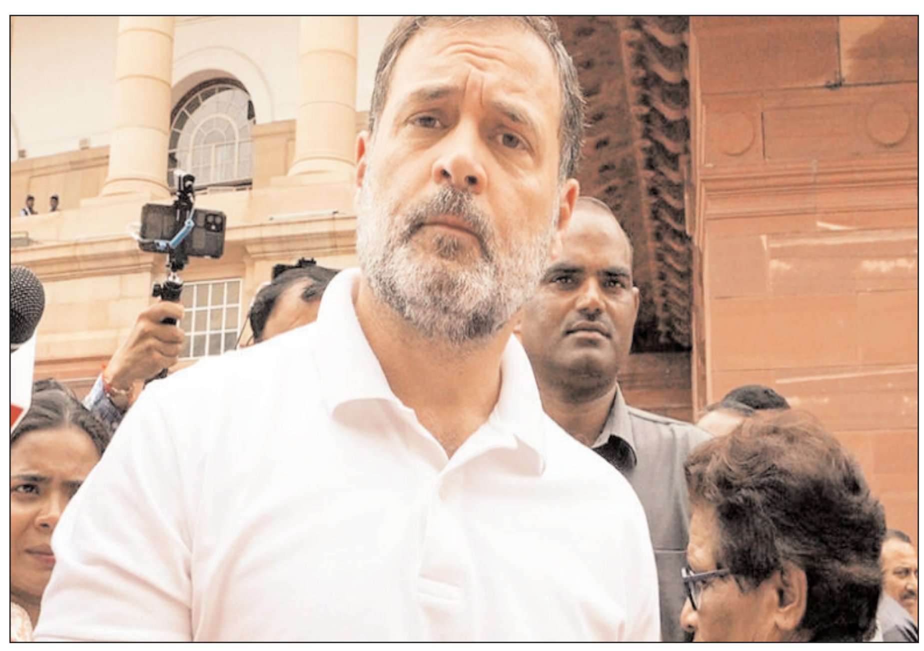

आज देश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई धांधली ने छात्रों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। ऐसे समय में राहुल गांधी ने सीधे छात्रों के बीच जाकर उनकी आवाज को उठाया है। जब सरकार ने तकनीकी कारणों से टेलीग्राम जैसी ऐप पर पाबंदी लगाने की कोशिश की, तो राहुल ने खुलकर कहा कि हमला पेपर लीक माफिया पर होना चाहिए, छात्रों के प्लेटफॉर्म पर नहीं। कोटा की गलियों से शुरू हुई छात्रों की गूंज ने यह साबित किया है कि राहुल अब युवाओं के मुद्दों को अपनी राजनीति का मुख्य हथियार बना चुके हैं। संसद में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के तेवर बदले हुए हैं। वे अब सिर्फ सरकार के फैसलों का विरोध नहीं करते, बल्कि आंकड़ों और तर्कों के साथ सरकार को घेरते हैं, कई बार तो पूरी सरकार के मंत्री, प्रधानमंत्री अकेले राहुल के सवालों के जवाब नहीं दे पाते। ईवीएम की विश्वसनीयता से लेकर देश के आर्थिक फैसलों और कॉरपोरेट एकाधिकार पर उनके सीधे सवाल सरकार को असहज करते हैं। इंडिया गठबंधन को एक साथ बांधकर रखना और विपक्ष की बिखरती हुई ताकतों को एक मंच पर लाना और यह कहना की मैं शिव की तरह सारा जहर पी लूँगा, लेकिन गठबंधन को टूटने नहीं दूँगाङ्घ. अब तो लगभग -लगभग सारे के सारे नेता राहुल को इंडिया ब्लॉक में मान ही चुके हैं.. यह उनकी एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा सकती है।

आज के दौर में राहुल गांधी को ना तो कोई खारिज कर सकता है और ना ही उनकी अनदेखी कर सकता है। वे केवल एक बड़े राजनीतिक परिवार के वारिस नहीं हैं, बल्कि वे एक ऐसे नेता के रूप में उभर चुके हैं जो देश के युवाओं, दलितों, पिछड़ों और शोषितों की आवाज बनने का दम रखता है। वे केवल बड़े मंचों से भाषण नहीं दे रहे, बल्कि देश के वंचितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के साथ खड़े होकर उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का एक मजबूत और विश्वसनीय चेहरा बन चुके हैं। आर्थिक मोर्चे पर महंगाई, निजीकरण और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सीधे आम आदमी की थाली और जेब से जोड़कर उन्होंने अपनी राजनीति को हवाई दावों से दूर, जमीन पर लाकर खड़ा किया है। छात्रों की गूंज जैसे आंदोलनों से उन्होंने दिखा दिया है कि वे भविष्य की राजनीति के लिए तैयार हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों से लेकर सुदूर गांवों के युवाओं के बीच शुरू हुई इस गूंज ने देश की युवा चेतना को यह भरोसा दिलाया है कि उनकी लड़ाई का एक झंडाबरदार दिल्ली में मौजूद है। अब राहुल गांधी के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस अभूतपूर्व जन-समर्थन, सहानुभूति और नैतिक बढ़त को एक मुकम्मल चुनावी वोट बैंक में तब्दील करने की है। यदि कांग्रेस की यह नई सांगठनिक मशीनरी राज्यों के आगामी चुनावों में इस नई ऊर्जा को जीत में बदल पाई, तो राहुल गांधी का यह मूल्यांकन भारतीय राजनीति के एक नए अध्याय की शुरूआत साबित होगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वे इस जन-समर्थन को आने वाले समय में चुनावी जीत में कितना बदल पाते हैं।

# दोहरा चरित्र ही समाजवादी पार्टी की असली पहचान

**संजय सक्सेना**

राजनीति में दोहरे मापदंड कोई नई बात नहीं है, लेकिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछले कुछ हफ्तों में जो तस्वीर पेश की है, वह किसी भी संवेदनशील नागरिक को सोचने पर मजबूर कर देती है। एक तरफ अयोध्या के राम मंदिर में चंदे की चोरी का मामला उठाकर वे हिंदू समाज और सनातन धर्म को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ गाजियाबाद के खोड़ा में 17 साल के सूर्या चौहान की निर्मम हत्या पर उनके होंठ सिले हुए हैं। यह महज संयोग नहीं, यह सोची-समझी सियासत है। मुरादाबाद में अपने सांसद जावेद अली के उस बयान पर कुछ नहीं बोलते हैं, जिसमें वह बहुसंख्यक समाज को जहरीला बताता है। मुस्लिम युवाओं से हिंदू दोस्तों को कन्वर्ट करने की बात खुलेआम कहता है। हिंदुओं को बांटने के लिए ब्राह्मण नेताओं का सम्मेलन कराते हैं। दरअसल, सात जून को अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके राम मंदिर के दानपात्र में करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया। बात यहीं नहीं रुकी। आगरा में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने पुजारियों की जांच को सनातन का अपमान बताया। अब सवाल यह है कि जब वही पुजारी या मंदिर परिसर के कर्मचारी चोरी के आरोपी हों तो जांच क्यों न हो? लेकिन अखिलेश की राजनीतिक फितरत यह है कि किसी एक घटना को पूरे हिंदू समाज के माथे पर चिपका दो और फिर सियासी रोटी सेंको। दानपात्र से चोरी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी भी बना दी, लेकिन अखिलेश को यह कार्रवाई नहीं दिखी क्योंकि दिखती तो उनका नैरेटिव ही ध्वस्त हो जाता। इसी बीच मुरादाबाद में सपा के राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने पीडीए सम्मेलन में जो कहा, वह पूरे प्रदेश की राजनीति को एक बार फिर झकझोर गया। उन्होंने सार्वजनिक मंच से कहा कि देश का बहुसंख्यक हिंदू समाज जहरीला हो गया है। फिर उन्होंने मुस्लिम कार्यकताओं को नसीहत दी कि हर मुसलमान कम से कम चार ऐसे हिंदू दोस्त बनाए, जिन पर हिंदू समाज खुद भरोसा करता हो, ताकि उनके जरिए बीजेपी को सत्ता से बाहर किया जा सके। यानी हिंदुओं को ही हिंदुओं के खिलाफ

इस्तेमाल करने की खुलेआम रणनीति। यह बयान जितना विवादित है, उतना ही खतरनाक भी। लेकिन अखिलेश यादव? उन्होंने इस बयान पर एक शब्द नहीं बोला। न निंदा, न खंडन, न स्पष्टीकरण। यही उनकी राजनीति का असली चेहरा है। पार्टी के मुस्लिम नेता जो चाहें बोलें, अखिलेश की तरफ से पूरी तरह मौन समर्थन मिलता रहेगा। यही वह दोमुंही सियासत है, जो दशकों से यूपी की राजनीति में जहर घोलती आ रही है। अब जरा खोड़ा की उस गली पर भी नजर डालिए, जहां 28 मई को बकरीद के दिन 11वीं के छात्र सूर्या चौहान को उसके दोस्त असद और उसके साथियों ने चाकू से गोद दिया। इलाज के दौरान सूर्या ने दम तोड़ दिया। मां की आंखों में आंसू थे, भाई का दर्द शब्दों में बयां नहीं हो सकता था। पूरे इलाके में तनाव था। लेकिन समाजवादी पार्टी के सबसे बड़े नेता अखिलेश यादव के मुंह से न निंदा के दो शब्द निकले, न पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना का एक वाक्य। जैसे घटना हुई ही नहीं। और जब पुलिस ने आरोपी असद का एनकाउंटर किया, तब सपा के प्रवक्ता अमीक जामेई ने एनकाउंटर पर सवाल उठाने की कोशिश की। यानी जब एक हिंदू छात्र की हत्या हुई तब चुप्पी, और जब हत्यारे पर कार्रवाई हुई तब आवाज उठाई। पर्दे के पीछे की बात यह है कि सपा के भीतर इस एनकाउंटर को मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बताकर बड़ा मुद्दा बनाने की रणनीति बनी थी, लेकिन सूर्या हत्याकांड का वीडियो सामने आने के बाद पार्टी को बैकफुट पर आना पड़ा।यह कोई इकलौती घटना नहीं है। यूपी की राजनीति में अखिलेश यादव का यही ढर्रा रहा है। जब भी किसी मुस्लिम नेता ने विवादित बयान दिया, अखिलेश ने मौन साध लिया। जब भी किसी हिंदू के साथ अन्याय हुआ और आरोपी किसी खास वर्ग से रहा, सपा की तरफ से पीड़ित परिवार को ढांढस देने कोई नहीं गया। लेकिन जब भी किसी अपराधी का एनकाउंटर हुआ, जो मुसलमान था, तब एनकाउंटर पर सवाल उठाने की पूरी ताकत लगा दी गई। यह तथाकथित पीडीए यानी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक की राजनीति का वह असली रूप है, जिसे अखिलेश ने बड़ी चालाकी से गढ़ा है। समाजवादी पार्टी की इस राजनीति को समझने के लिए दो एनकाउंटर की तुलना काफी है। गाजीपुर में विनीत राय हत्याकांड के आरोपी कमलेश बिंद का एनकाउंटर हुआ। तब अखिलेश यादव खुद, उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव, महासचिव शिवपाल यादव और रामगोपाल यादव तक ने बयान दिया। लेकिन सूर्या के हत्यारे असद के एनकाउंटर पर? सन्नाटा। दोनों एनकाउंटर, दो अलग प्रतिक्रियाएं, एक ही फर्क था कि आरोपी किस धर्म का था। यह वोट बैंक की राजनीति का सबसे नंगा चेहरा है।

अखिलेश यादव की इस दोमुंही सियासत की जड़ें बहुत गहरी हैं। मुलायम सिंह यादव के जमाने से ही सपा की रणनीति रही है कि मुसलमानों को एकजुट रखो और हिंदुओं को जातियों में बांटे रखो। इसी फामूर्ले को अखिलेश ने पीडीए के नए आवरण में लपेटकर परोसा है।

# बलात्कारियों का सम्मान करने वाला अद्भुत समाज

**निर्मल रानी**

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारतीय प्रेस परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान कहा था कि मैं कह सकता हूं कि नब्बे प्रतिशत भारतीय बेवकूफ होते हैं। उनके सिर में दिमाग नहीं होता। उन्हें आसानी से बेवकूफ बनाया जा सकता है, उन्हें धर्म के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा आसानी से गुमराह किया जा सकता है। परन्तु अपने इस कथन के 12 वर्षों बाद यानी 2024 में जस्टिस काटजू ने मूर्खों के प्रतिशत में और इजाफा करते हुये कहा कि अब वे 95 प्रतिशत भारतीयों को मूर्ख कहते हैं क्योंकि भारत अब वास्तविक हिंदू राज्य बन गया है। जस्टिस काटजू के इस कथन को परखने के लिये यदि हम धर्म व अध्यात्म की ध्वजा बुलंद करने वालों की हकीकत को देखें तो यह हमें केवल मूर्ख या महामूर्ख ही नहीं लगते बल्कि अत्यंत निम्न स्तरीय सोच रखने वाले तथा सनातन धर्म,भारतीय समाज व पूरे देश को बदनाम करने वाले भी नजर आते हैं। मिसाल के तौर पर बलात्कारियों का सम्मान होते,उनका महिमामंडन होते व उनकी शोभा यात्रा निकलते कहीं नहीं देखा गया होगा। यह अद्भुत दृश्य केवल विश्वगुरु भारत के ही अद्भुत समाज में देखने को

मिलेगा।

आज देश में कई स्वयंभू साधू संत बलात्कार व हत्या जैसे जुर्म में जेल में सजायें भुगतते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतों ने गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर ऐसे अलग अलग बलात्कारी बाबाओं को सजा सुनाने का साहस कर कानून की रक्षा करने का काम क्या है। परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे धमार्चार्यों व स्वयंभू अध्यात्मवादियों की काली करतूतें जानने के बावजूद उनके भक्तजनों में उनके प्रति अभी भी मोह कम नहीं हुआ है। ऐसे लोग यही कहते नजर आएंगे कि हमारे गुरु जी को गलत फंसाया गया है। मर्द भक्तों की तो छोड़िये महिलाएं भी ऐसे बलात्कारी बाबाओं की भक्ति व उनके महिमामंडन में सबसे आगे नजर आती हैं। और अब तो संभवतः ऐसे बलात्कारी बाबाओं के महिमामंडन से ही प्रेरणा लेकर धार्मिकता का चोला पहने या धार्मिक संगठनों एवं धर्म के नाम पर अन्य रसूखदार बलात्कारियों की भी शोभा यात्रा निकाली जाने लगी है। बलात्कार की शिकार लड़की का धर्म देखकर बलात्कारियों की पैरवी की जाने लगी है। क्या ऐसा कर अपराधियों को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है? 3 मार्च 2002 की गुजरात अहमदाबाद के नजदीक रणधीकपुर गाँव में की वह भयानक घटना कौन भूल सकता है जिसमें मुस्लिम समाज की 21 वर्षीय युवती बिल्कीस बानो जोकि उस समय 5 महीने की गर्भवती भी थीं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था ? बिलकीस बानो के परिवार के 14 सदस्यों की हत्या भी कर दी गई थी जिसमें बिलकीस की 3 वर्ष की मासूम बेटी भी शामिल थी । इस मामले में मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

# प्रस्ताव मिलते ही हमीरपुर का स्वामी ब्रम्हानंद महाविद्यालय बनेगा विश्वविद्यालय: मुख्यमंत्री

**हमीरपुर ।**
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हमीरपुर जिले में विश्वविद्यालय बनाने की मांग उठाए जाने पर कहा कि हमारी सरकार ने राठ के लिए बस स्टैंड स्वीकृत किया था। परिवहन विभाग इसे तेजी से आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि शाहजहांपुर से प्रस्ताव मिला तो वहां स्वामी शुकदेवानंद राज्य विश्वविद्यालय का निर्माण हुआ। भदोही से भवन व प्रॉपर्टी के पास प्रस्ताव मिला तो इस सत्र से काशी नरेश विश्वविद्यालय का शुभारंभ हो गया, लेकिन स्वामी ब्रह्मानंद

महाविद्यालय प्रबंध समिति का प्रस्ताव अभी तक नहीं आया। प्रस्ताव दीजिए, हम विश्वविद्यालय बनाएंगे। इसके लिए एक्ट बनाने पड़ते हैं, प्रक्रिया में समय लगता है। जितना समयबद्ध कार्य होगा, सरकार उतनी तेजी से इसे धरातल पर उतारेगी। विश्वविद्यालय बड़ा व विराट सोच के साथ होना चाहिए, जिसमें अन्य जनपदों के महाविद्यालय भी संबद्धता ले सकें। नौजवानों को आधुनिक/तकनीकी शिक्षा दे सकें और फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी को लाकर डिफेंस मैन्युफेक्चिरिंग कॉरिडोर के लिए नौजवानों की स्किलिंग सेंटर को बढ़ाएं। सीएम ने हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज बनाने पर जोर दिया। विधायक ने मुख्यमंत्री के सामने रखी मेडिकल कालेज, ट्रामा सेंटर की मांग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा से पहले राठ विधायक मनीषा अनुरागी ने मुख्यमंत्री के सामने अपने भाषण में क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मांग रखी। विधायक ने लोगों की गंभीर बीमारी के इलाज के लिए एक ट्रामा सेंटर की मांग रखी। जिससे लोगों को समुचित इलाज मिल रहे। कहा कि 2022 में आपने ब्रह्मानंद महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाने का आश्वासन दिया था। जो अब तक पूरा नहीं हो सका। विधायक ने वर्षो से लंबित पडी मौदहा पेयजल योजना का संचालन कराने की मांग की। विधायक ने मुस्करा कस्बे को नगर पंचायत का दर्जा देने और दीवान शत्रुघ्न सिंह के नाम से मेडिकल कॉलेज की स्थापना कराने की मांग की। जिससे राठ नगर की तस्वीर बदल सके।

## भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में किसानों के हितों की रक्षा की मांग, भाकियू ने प्रधानमंत्री को भेजा पत्र

**नोएडा।**
भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) द्वारा रविवार को एक प्रेसवार्ता आयोजित कर भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर किसानों की चिंताओं को सार्वजनिक किया गया। इस दौरान भाकियू नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित एक पत्र जारी करते हुए किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

प्रेसवार्ता में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़े विभिन्न मीडिया रिपोर्टों और सार्वजनिक सूचनाओं के आधार पर किसानों में गहरी चिंता और आशंका व्याप्त है। उनका कहना था कि यदि समझौते के तहत कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क में कटौती की जाती है और अमेरिकी कृषि एवं खाद्य उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को अधिक खोला जाता है, तो इसका सीधा असर देश के किसानों की आय और आजीविका पर पड़ेगा।
उन्होने ने कहा कि अमेरिका अपने कृषि क्षेत्र को भारी सब्सिडी प्रदान करता है, जबकि भारतीय किसान सीमित संसाधनों में खेती कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी सब्सिडी प्राप्त कृषि उत्पादों के साथ भारतीय किसानों को प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर करना न्यायसंगत नहीं होगा। उन्होंने आशंका जताई कि डेयरी, पोल्ट्री तथा अन्य कृषि उत्पादों के आयात में वृद्धि से देश के किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो सकता है।
प्रेसवार्ता के दौरान युद्धवीर सिंह ने यह भी कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मंच पर अमेरिका लगातार भारत की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था पर सवाल उठाता रहा है। यदि किसी भी स्तर पर एमएसपी व्यवस्था को कमजोर करने या उसमें बदलाव करने का दबाव स्वीकार किया गया, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव करोड़ों धान एवं गेहूं उत्पादक किसानों पर पड़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि भारत-अमेरिका व्यापार वाताओं के दौरान किसानों, मछुआरों, डेयरी एवं पोल्ट्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा ऐसा कोई समझौता न किया जाए जिससे देश की कृषि व्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और किसानों की आजीविका प्रभावित हो।

## वाराणसी : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन कोर्ट का हुआ लोकार्पण

**वाराणसी।**
उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पहली बार शहर दक्षिणी विधानसभा के दुगार्कुण्ड वार्ड के ब्राह्मनन्द नगर कालोनी में रविवार को इंडोर बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण किया गया। खेल प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें विश्वस्तरीय मंच देने के उद्देश्य से दुगार्कुण्ड वार्ड में एक करोड़ तीस लाख की लागत से तैयार इंडोर बैडमिंटन कोर्ट को प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं शहर दक्षिणी विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने खिलाड़ियों को समर्पित कर दिया। इसके साथ ही कालोनी के पार्क में ओपन जिम की भी शुरूआत हुई। इस अवसर पर डा. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि यह अत्याधुनिक कोर्ट युवाओं व कालोनी के बच्चों के लिए मील

का पत्थर साबित होगा। प्रतिस्पधाओं की तैयारी के लिए उपयुक्त वातावरण मिलेगा। इस कोर्ट की खासियत यह है कि अब खिलाड़ी यहाँ रात्रिकालीन अभ्यास भी कर सकेंगे । जिससे उनके ट्रेनिंग में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी। यह सुविधा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में साबित होगी। डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के एतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण हुएं, वहीं दूसरी ओर निर्वाचित प्रधानमंत्री के रुप में नरेन्द्र मोदी का लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल भी पूर्ण हुआ। विधायक ने कहा कि देश व देशवासियों के लिए ये दोनों ही एतिहासिक उपलब्धियां है। बैडमिंटन कोर्ट के अलावा कई सडक, पार्क, गलियां, विद्यालय, डीजिटल लाइब्रेरी का शिलान्यास/लोकार्पण हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से युवाओं को खेलने के प्रेरित करते रहते है। जिसका परिणाम है कि आज देश के युवा दुनियां भर में देश का नाम रोशन कर रहे है। इस बैडमिंटन कोर्ट से स्थानीय खिलाडियों को तो लाभ मिलेगा ही साथ ही लोगों को फिट रहने में सहयोगी होगा।

## बीते नौ साल से यूपी में तेज गति से हो रहा दलितों का सामाजिक सशक्तीकरण : डा. निर्मल

**लखनऊ।**
उ.प्र. अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के पूर्व चेयरमैन एवं सदस्य विधान परिषद डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही दलितों के विकास का स्वर्णिम काल शुरू हो गया है। बीते नौ साल से यूपी में दलितों का सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण तेज गति से हो रहा है। डॉ. निर्मल रविवार को अखिल भारतीय

स्वच्छकार समाज महासंघ तथा सामाजिक सरोकार फाउन्डेशन द्वारा आयोजित चिन्तन गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे।
उद्यान भवन के सभागार में आयोजित इस गोष्ठी में डॉ. निर्मल ने कहा कि योगी सरकार दलितों के हित में योजनाएं बनाने के क्रम में कुछ और बड़े फैसले ले सकती है। उन्होंने कहा कि सफाईकर्मियों को लेकर ठेकेदारी व्यवस्था और उनकी आय बढ़ाने पर योगी सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। इसके अलावा योगी सरकार ने डॉ. आंबेडकर के चित्र सभी सरकारी कार्यालयों में लगवाने के अलावा उनकी और महर्षि वाल्मीकि की मूर्तियों के ऊपर छतरी, आसपास बाउण्ड्रीवाल तथा उस स्थान का सौन्दर्यीकरण करने के लिए बजट व्यवस्था की है। स्टैन्डअप इन्डिया योजना तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से दलितों का तेजी के साथ आर्थिक सशक्तीकरण किया जा रहा है।
डा० निर्मल ने कहा कि हाथ से मैला उठाने की प्रथा को पूरी तरह समाप्त करने के लिए घर-घर शौचालय योजना चलाई गई।
इसके अलावा सीवर की सफाई के दौरान स्वच्छताकर्मी के सुरक्षा के लिए भी योगी सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं।

## सीओ और थाना प्रभारी ने किया पैदल गस्त

**सबसे तेज प्रयागराज**
**कौशांबी।** सोमवार को जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा थाना प्रभारी कोखराज चंद्र भूषण मौर्य पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र में पैदल गश्त की गई।
पैदल गश्त के दौरान प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थानों एवं जुलूस मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा आमजन से संवाद स्थापित कर शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई।
जनपद पुलिस द्वारा मोहर्रम पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु निरंतर निगरानी एवं भ्रमण किया जा रहा है।

## हॉस्पिटल के निदेशक की गिरफ्तारी पर रोक

**प्रयागराज।**
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोनभद्र स्थित पंचशील मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निदेशक पवित कुमार मौर्य को बड़ी राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने यह आदेश याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया।
याची पवित कुमार मौर्य और एक अन्य के खिलाफ 27 अप्रैल 2026 को रॉबर्ट्सगंज थाने में विभिन्न आरोपों में एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

## टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट अंडर-19 राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश की टीम घोषित

**वाराणसी।**
टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित होने वाली अंडर-19 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश (पूर्वांचल) टीम की घोषणा कर दी गई है। चयनित खिलाड़ी आगामी 29 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना होंगे, जहां देशभर के विभिन्न राज्यों की टीमें राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।
संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, प्रतियोगिता के लिए चयन प्रक्रिया पूरी

पारदर्शिता और खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर संपन्न की गई है। चयनित खिलाड़ी पिछले कई महीनों से लगातार अभ्यास कर रहे हैं और राष्ट्रीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। टीम प्रबंधन को विश्वास है कि उत्तर प्रदेश (पूर्वांचल) की टीम अपने खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना के बल पर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेगी। टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव अभिषेक कुमार सिंह तथा उत्तर प्रदेश के जनरल सेक्रेटरी धनेश्वर साहनी ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है। पदाधिकारियों ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए यह एक बड़ा अवसर है, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रदेश और अपने क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकते हैं।
जनरल सेक्रेटरी धनेश्वर साहनी ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए घोषित टीम में अध्यक्ष बॉबी सिंह, वैभव सिंह, हर्षित विश्वकर्मा, ऋषभ सेठ, कृष्णा जायसवाल, प्रथम जायसवाल, कार्तिक गुप्ता, रौनक श्रीवास्तव, राज जायसवाल, हर्ष गुप्ता, उज्जवल पाठक, शंकर, आर्यन चौबे, प्रीतम, बादल, पृथ्वी, सूरज यादव, अंकित सिंह, अंकित कुमार, मिलीत आनंद, आयुष चौधरी, मयंक पांडे, सिद्धार्थ भट्टाचार्य, सौरभ चौबे, हिमांशु, रोहित, असद अनवार तथा सार्थक जायसवाल को स्थान दिया गया है। टीम में चयन के बाद खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों और खेल प्रेमियों में खुशी जताई। चयनित खिलाड़ियों ने संघ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वे प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित करने का हर संभव प्रयास करेंगे।

## पीस कमेटी की बैठक में सौहार्द्रपूर्ण माहौल में मोहर्रम मनाने पर जोर

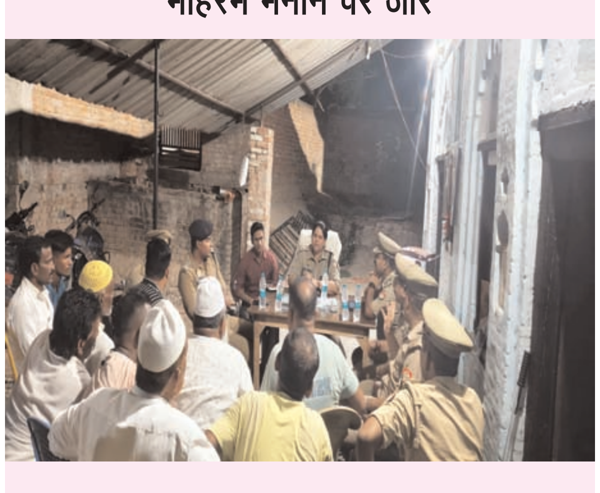

**सबसे तेज प्रयागराज**
**कौशांबी। जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा मोहर्रम पर्व को सकुश**ल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी अमिता सिंह, उपजिलाधिकारी सिराथू एवं क्षेत्राधिकारी मंझनपुर द्वारा चौकी नारा क्षेत्र में पीस कमेटी की बैठक की गई। बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, ताजियादारों एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ संवाद स्थापित कर मोहर्रम पर्व के दौरान आपसी भाईचारा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। उपस्थित लोगों से पर्व के दौरान उत्पन्न होने वाली संभावित समस्याओं एवं सुझावों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक उपरांत अधिकारियों द्वारा पुलिस बल के साथ चौकी नारा क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई।

## जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने दिए दिशा निर्देश

**सबसे तेज प्रयागराज**
**प्रयागराज।** जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की उपस्थिति में सोमवार को संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए सभी चिकित्सकों को अपने-अपने संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों में सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए उच्च गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी चिकित्सकों से कहा कि मरीजों के साथ उचित व्यवहार करें और पूरी तन्मयता के साथ लोंगो का उपचार करें । जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सा अधीक्षकों से अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयासों एवं अच्छे कार्यों की जानकारी लेते हुए उनके संबंधित चिकित्सालयों में उपलब्ध अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं एवं चिकित्सा क्षेत्र में उनके केंद्र के द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का प्रचार-प्रसार भी करते रहने के लिए कहा है ताकि और लोगों को भी जानकारी मिल सके और वे भी लाभ प्राप्त कर सकें।
बैठक में जिला महिला अस्पताल (डफरिन हॉस्पिटल) की अधीक्षिका डॉ सुनीता सागर के द्वारा बताया गया कि जिला महिला चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी दक्षता,समर्पण और प्रयासों से एक मात्र 700 ग्राम के अत्यंत कम वजन वाले नवजात शिशु बेबी ऑफ सोनिया को सफलतापूर्वक जीवनदान देकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है । उन्होंने बताया कि अत्यंत गंभीर अवस्था में जन्मे इस नवजात को नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में विशेष निगरानी एवं उपचार प्रदान किया गया । चिकित्सकों की टीम जिसमें डॉ प्रवीण कुमार यादव, डॉ इसरार अहमद, डॉ अरुण कुमार सिंह तथा स्टाफ में श्री धीरेंद्र कुमार सिंह, श्री विजय कुमार एवं रीना मिश्रा शामिल रहे,उनके द्वारा लगातार चिकित्सकीय देखभाल, आधुनिक उपकरणों के उपयोग तथा नर्सिंग स्टाफ की सतत निगरानी के परिणामस्वरूप शिशु की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ। उपचार के दौरान नवजात को संक्रमण से बचाने, उचित पोषण उपलब्ध कराने एवं श्वसन संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंधन किया गया। उन्होंने बताया कि अत्यंत कम वजन वाले नवजातों का सफल उपचार चिकित्सा क्षेत्र में एक चुनौतीपूर्ण कार्य माना जाता है। उन्होंने बताया कि एडीए कॉलोनी, नीम सराय निवासी नवजात के परिजनों ने चिकित्सकों एवं अस्पताल प्रशासन के प्रति आभार जताया और कहा कि डफरिन अस्पताल के चिकित्सकों के अथक प्रयासों और समर्पित सेवा के कारण उनके बच्चे को नया जीवन मिला। बताया गया कि डफरिन अस्पताल में 24 घण्टे नार्मल और सिजीरियन डिलीवरी, लेप्रोस्कोपिक फीमेल स्टर्लाइजेशन, मिनी लैप, एमटीपी, आईयूसीडी, पीपीआईयूसीडी, सीपैप और एसएनसीयू की सुविधा उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि पर जिला महिला चिकित्सालय की अधीक्षक, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की पूरी टीम की सराहना की और कहा कि मैं आशा करता हूँ कि आप सभी लोग इसी प्रकार से पूरी तन्मयता के साथ आगे भी कार्य करते रहेंगे और जिला महिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सक गंभीर से गंभीर मामलों में भी लोंगो को बेहतर उपचार मुहैया कराएँगे और ज्यादा से ज्यादा लोग चिकित्सालय में उपलब्ध अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओ का लाभ ले सकेंगे । यह सफलता जिला महिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं चिकित्सकीय दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

## हिंदू आस्था एवं सनातन संस्कृति पर प्रहार बंद हों : डॉ. राजकमल गुप्ता

**मुरादाबाद।**
विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य व क्षेत्रीय गौ सेवा प्रमुख डॉ. राजकमल गुप्ता ने रविवार को कहा कि सनातन धर्म, हिंदू संस्कृति और करोड़ों हिंदुओं की आस्थाओं पर बार-बार प्रश्नचिह्न लगाने का प्रयास अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। हिंदू आस्था एवं सनातन संस्कृति पर प्रहार बंद होना चाहिए।
डॉ. राजकमल गुप्ता ने आगे कहा कि किसी भी विषय पर जांच अथवा न्यायिक प्रक्रिया पूर्ण होने से पूर्व राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले गैर-जिम्मेदाराना बयान समाज में भ्रम और वैमनस्य उत्पन्न करते हैं।
डॉ. राजकमल गुप्ता ने कहा कि देश के कुछ राजनीतिक दल और उनके नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं एवं आस्था के प्रतीकों को विवादों में घसीटने का कार्य कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों तथा सामाजिक समरसता के लिए हितकारी नहीं है। किसी भी धर्म अथवा उसकी मान्यताओं का सम्मान करना प्रत्येक राजनीतिक दल और जनप्रतिनिधि का दायित्व है।

## तीर्थ राज प्रयाग और श्रृंगवेरपुर धाम की सेवा मेरा सौभाग्य --डीपीआरओ

**सबसे तेज प्रयागराज**
**नवाबगंज। तीर्थरा**ज प्रयाग और श्रृंगवेरपुर धाम की सेवा करने का अवसर प्राप्त होना मेरा सौभाग्य है ये बाते रामायण मेला आयोजन समिति श्रृंगवेरपुर धाम प्रयागराज द्वारा आयोजित 157 वी साप्ताहिक विशेष भव्य सायंकालीन गंगा आरती उतारने के पश्चात बतौर मुख्य यजमान/मुख्य अतिथि रवि शंकर द्विवेदी जिला पंचायत राज अधिकारी प्रयागराज ने कही उन्होंने यह भी कहा कि नियमित दो कर्मचारियों के साथ ही सप्ताह में एक बार बड़ी संख्या में कर्मचारियों को लगाकर सफाई

का कार्य पूर्ण किया जायेगा साथ ही शीघ्र ही मां भगवती शांता श्रृंगी ऋषि के मन्दिर की सीढ़ियों पर तीर्थ यात्रियों व पर्यटकों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए छाया का प्रबन्धन कार्य भी प्राथमिकता के साथ पूरा कराया जायेगा प्रारम्भ में आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय रामायण मेला के संयुक्त मंत्री अमित द्विवेदी ने गंगा घाट की सफाई एवं मां भगवती शांता श्रृंगी ऋषि मन्दिर की सीढ़ियों पर छाया किये जाने का अनुरोध किया जिस पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने अपनी सहमति जताई और कार्य कराये जाने का आश्वासन भी दिया इस अवसर पर विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय महासचिव पंकज पाण्डेय जिलाध्यक्ष डॉ रमापति त्रिपाठी राष्ट्रीय रामायण मेला के उपाध्यक्ष सियाराम सरोज ने जिला पंचायत राज अधिकारी को पुष्प माला अंगवस्त्रम व प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की कार्यक्रम का संचालन मेला के महामंत्री उमेश चन्द्र द्विवेदी ने किया इस अवसर पर गोलू जी प्रतिमा मिश्रा उमेश चन्द्र पाण्डेय अंजनी पाण्डेय तीर्थ पुरोहित संजय त्रिपाठी आचार्य राकेश कुमार त्रिपाठी मंजीत कुमार सोशल मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश द्विवेदी प्रशान्त द्विवेदी गोलू त्रिपाठी बॉबी केसरवानी तुलसीराम प्रजापति मनोज भोला सोनी आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहें।

## एलएंडटी समूह की एआई अवसंरचना क्षेत्र में नई पहल

**मुंबई**

अभियांत्रिकी और निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंप्यूट अवसंरचना के क्षेत्र में अपनी पैठ बना रही है। कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक व्योम.एआई लिमिटेड ने इस नई पहल के तहत एलटीएन कंप्यूट प्राइवेट लिमिटेड (एलटीएनसीपीएल) नामक एक नई कंपनी का गठन किया है। रविवार को शेयर बाजारों को दी गई जानकारी के अनुसार एलटीएनसीपीएल का निगमन 20 जून, 2024 को हुआ है। यह नवगठित कंपनी विशेष रूप से एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने और प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाएं देने पर केंद्रित होगी। यह कदम एलएंडटी समूह की तेजी से बढ़ते एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकी बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इससे कंपनी को भविष्योन्मुखी तकनीकी समाधानों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित होने में मदद मिलेगी।

## श्री रेफ्रिजरेशंस ने रक्षा, समुद्री क्षेत्र के लिए महाराष्ट्र में नई विनिर्माण इकाई शुरू की

**मुंबई**

रक्षा और समुद्री क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजरेशन (एचवीएसी-आर) प्रणाली बनाने वाली कंपनी श्री रेफ्रिजरेशंस ने महाराष्ट्र के कराड में अपनी नई विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया। भारतीय नौसेना के चीफ ऑफ मैटेरियल वाइस एडमिरल बी. शिवकुमार ने 6 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली इस अत्याधुनिक सुविधा का अनावरण किया, जो देश के रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करेगी। इस इकाई में रोबोटिक वेल्डिंग, लेजर कटिंग और बेंडिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं स्थापित हैं, साथ ही शॉट ब्लास्टिंग और पेंटिंग जैसी प्रक्रियाएं भी एकीकृत हैं। इस विस्तार से कंपनी की विनिर्माण क्षमता में 50,000 वर्ग फुट की वृद्धि हुई है, भविष्य में और विस्तार की संभावना है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक आर. जी. शेंडे ने कहा कि यह नई इकाई मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

## निफ्टी 24,000 के पार, अब 24,500 पर टिकी नजरें, क्या आएगी नई रिकॉर्ड ऊंचाई?

**मुंबई**

पिछले हफ्ते निफ्टी ने 1.65 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ 24,000 अंक के करीब बंद होकर निवेशकों को उत्साहित किया। हालांकि, हफ्ते के अंत में हुई मुनाफावसूली ने तेजी पर कुछ लगाम लगाई। विश्लेषक मौजूदा बाजार को एक दायरे में देखते हुए महत्वपूर्ण स्तरों पर नजर बनाए हुए हैं, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले सप्ताह निफ्टी ने जबरदस्त गैप-अप ओपनिंग के साथ मजबूत शुरुआत की और अपनी बढ़त पूरे हफ्ते बरकरार रखी। सूचकांक पहली बार अपने 100-दिवसीय ईएमए (एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज) के ऊपर बंद हुआ, जो बाजार में बेहतर होते सेंटीमेंट का संकेत था। हालांकि, शुक्रवार को हुई गैप-डाउन ओपनिंग और मुनाफावसूली ने तेजी की रफ्तार को कुछ हद तक धीमा कर दिया। फिलहाल, निफ्टी 50 एक दायरे में बना हुआ है, जहां न तो बुल्स और न ही बेयर्स का साफ तौर पर दबदबा दिख रहा है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। एसबीआई सिक्योरिटीज में टेक्निकल और डेरिवेटिव्स रिसर्च के एक अे धिकारी के अनुसार निफ्टी के लिए 24,200 के ऊपर लगातार टिके रहना 24,500 की ओर रैली का रास्ता खोल सकता है। वहीं, अगर यह 23,800 के नीचे जाता है, तो 23,500 का स्तर दिख सकता है।

## डिविडेंड बंपर- जून के अंतिम सप्ताह में 31 कंपनियां बांटेंगी लाभांश

**नई दिल्ली**

शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए जून 2026 का अंतिम सप्ताह वित्तीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान देश की 31 प्रमुख कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का लाभ देने जा रही हैं, जो उनके मुनाफे का एक हिस्सा होता है। यह लाभांश निवेशकों के लिए अतिरिक्त आय का एक बड़ा स्रोत बन सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जिनकी नज़र नियमित आय वाले शेयरों पर रहती है। सप्ताह की शुरुआत 22 जून से होगी, जब पैनासोनिक कार्बन इंडिया (12 रुपए), संगम इंडिया (2 रुपए) और डीएमआर इंजीनियरिंग (0.14 रुपए) डिविडेंड प्रदान करेंगी। इसके बाद 23 जून को एशियन पेंट्स (23 रुपए) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (22 रुपए) समेत कई दिग्गज एक्स-डिविडेंड होंगी, जिनमें थायरोकेयर, टाटा पावर भी शामिल हैं। 24 जून को व्हील्स इंडिया और शंकरा बिल्डप्रो का नंबर है। 25 जून सबसे व्यस्त दिन रहेगा, जब 17 कंपनियां लाभांश के लिए एक्स-डेट पर होंगी। इनमें सुप्रीम इंडस्ट्रीज (25 रुपए) और भारतीय जीवन बीमा निगम (10 रुपए) प्रमुख हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, डिविडेंड का लाभ पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड तिथि से पहले शेयर खरीदना अनिवार्य है। भारतीय शेयर बाजार में लागू टी प्लस वन सेटलमेंट व्यवस्था के चलते ये तिथियां अक्सर करीब होती हैं, अतः समय पर निवेश ही डिविडेंड से लाभ कमाने की कुंजी है।

## केंद्र सरकार ने 16 एफडीसी दवाओं पर लगाया स्थयी प्र तिबंध

**नई दिल्ली**

देश में दवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब इन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह रोक रहेगी। सरकार का कहना है कि इन दवा संयोजनों का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं पाया गया और इनके इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते थे। वर्ष 2021 में शुरू हुई गहन जांच प्रक्रिया के बाद विशेषज्ञ उप-समिति ने विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों और क्लीनिकल डेटा की समीक्षा की। दवा कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। विस्तृत परीक्षण और विचार-विमर्श के बाद समिति ने प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की, जिसे ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने भी समर्थन दिया। प्रतिबंधित दवाओं में त्वचा संबंधी उत्पादों में उपयोग होने वाले कई कॉम्बिनेशन, जैसे एलो एक्सट्रैक्ट और विटामिन-ए के मिश्रण शामिल हैं, जिनके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अमॉक्सिसिलिन और सेराटियोपेप्टिडेज जैसे कई एंटीबायोटिक कॉम्बिनेशन भी इसकी जद में आए हैं, जिन्हें पर्याप्त चिकित्सीय प्रमाणों के बिना बेचा जा रहा था। पेट दर्द और ऐंठन के इलाज में इस्तेमाल होने वाले कुछ अतार्किक मिश्रणों को भी अनुपयोगी पाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रतिबंध से न केवल मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि दवाओं के जिम्मेदार और वैज्ञानिक उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। यह कदम जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रमाण है।

# ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

### पांच दिन की ऐतिहासिक तेजी, सेंसेक्स ने पार किया 77 हजार का आंकड़ा

**मुंबई**

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंततः महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए।

हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया।

सप्ताह की शुरुआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया।

सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया।

मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया।

बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी।

## एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से जून में 31,105 करोड़ निकाले

### इक्विटी से 60,471 करोड़ निकाले, बॉन्ड बाजार में 30,913 करोड़ का निवेश

**मुंबई**

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून महीने में भी भारतीय पूंजी बाजार से निकासी जारी रखे हुए हैं। जून के पहले तीन हफ्तों में एफपीआई ने कुल 31,105 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह लगातार चौथा महीना है जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसे निकाल रहे हैं, हालांकि इस बार उनकी रणनीति में बदलाव देखा गया है, जहां इक्विटी से बिकवाली हुई है वहीं बॉन्ड बाजार में निवेश बढ़ा है। एफपीआई की इस निकासी का सबसे ज्यादा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। जून में अब तक उन्होंने शेयरों से 60,471 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। इक्विटी के अलावा, विदेशी निवेशकों ने म्यूचुअल फंड से 128 करोड़ रुपये और हाइब्रिड निवेश साधनों से 1,419 करोड़ रुपये भी निकाले हैं। इसके विपरीत डेट यानी बॉन्ड बाजार में एफपीआई का रुझान सकारात्मक रहा है।

## फोनपे का फैसला, निष्क्रिय वॉलेट रखने पर अब चुकाना होगा चार्ज

### 365 दिन तक वॉलेट का इस्तेमाल न करने पर हर तिमाही कटेंगे 100 रुपए

**नई दिल्ली**

डिजिटल पेमेंट्स प्लेटफॉर्म फोनपे ने अपने करोड़ों यूजर्स के लिए एक बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने घोषणा की है कि अगर कोई यूजर अपने फोनपे वॉलेट का लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करता है, तो उसे इनएक्टिव मेंटेनेंस चार्ज देना होगा। यह शुल्क 100 रुपये (जीएसटी सहित) प्रति तिमाही उन वॉलेट्स से कटेगा जो लगातार 365 दिनों तक निष्क्रिय रहेंगे। फोनपे की नई नीति के तहत, यदि कोई यूजर लगातार 365 दिनों तक अपने वॉलेट के जरिए कोई भी वित्तीय लेनदेन नहीं करता है, तो उसके वॉलेट को निष्क्रिय मान लिया जाएगा। इसके बाद हर तिमाही 100 रुपये का इनएक्टिव मेंटेनेंस चार्ज वसूला जाएगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि केवलफोनपे ऐप खोलना, यूपीआई लेनदेन करना, या ऐप के भीतर अन्य भुगतान (जैसे रिचार्ज, बिल भुगतान) करना वॉलेट एक्टिविटी नहीं माने जाएंगे। वॉलेट को सक्रिय बनाए रखने के लिए यूजर्स को सीधे अपने फोनपे वॉलेट के माध्यम से ही लेनदेन करना होगा। शुल्क लगाने से पहले यूजर्स को 15 दिन का नोटिस भेजा जाएगा। इस नोटिस अवधि के दौरान वॉलेट से कोई लेनदेन करके इस फीस से बचा जा सकता है, जिसके बाद वॉलेट सक्रिय हो जाएगा। निष्क्रियता शुल्क काटने के लिए, पर्याप्त फंड होने पर 100 रुपये काटे जाएंगे; कम होने पर उपलब्ध राशि काटकर शेष शून्य कर दिया जाएगा, जिससे कोई नकारात्मक बैलेंस नहीं बनेगा। यह बदलाव बड़ी संख्या में फोनपे वॉलेट यूजर्स को प्रभावित करेगा।

# भू-राजनीति, मानसून और आर्थिक आंकड़े तय करेंगे बाजार की दिशा

**मुंबइ**

घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह की गिरावट से उबरने की कोशिश में इस हफ्ते कई महत्वपूर्ण वैश्विक और घरेलू कारकों पर पैनी नजर रखेंगे। निवेशकों के लिए जहां भू-राजनीतिक स्थिरता अहम होगी, वहीं देश के भीतर मानसून की प्रगति और प्रमुख आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे। विशेष रूप से अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते के क्रियान्वयन में होने वाली प्रगति पर बाजार की गहरी निगाहें टिकी रहेंगी। यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य व्यापार के लिए सुचारु रूप से खुलता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति और भू-राजनीतिक स्थिरता पर इसका सीधा सकारात्मक असर पड़ेगा, जो शेयर बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक हो सकता है। वैश्विक परिदृश्य के साथ ही घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति भी निवेशकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।कृषि-आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर मानसून ग्रामीण मांग और कॉर्पोरेट आय को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त, देश के आठ महत्वपूर्ण कोर उद्योगों के आंकड़े भी जारी होंगे, जो अर्थव्यवस्था की सेहत का संकेत देंगे और बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं। इन सभी कारकों का समग्र प्रभाव आगामी सप्ताह में बाजार की दिशा तय करेगा।

बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि बाजार की नजर मई महीने के थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) और रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी)के मिनट्स पर टिकी हुई है, ताकि भविष्य की ब्याज दरों का अनुमान लगाया जा सके। विदेशी निवेशकों के रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों से बाजार में तरलता तय हो रही है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार की धारणा पर पड़ सकता है।

# खाद्य तेल बाजार में मिश्रित रुझान, सरसों नरम, सोयाबीन-पाम मजबूत

### आयातित तेलों का दबाव; मांग-आवक के संतुलन व किसानों के रुख से तय हुए भाव

**नई दिल्ली**

बीते सप्ताह घरेलू खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। राष्ट्रीय राजधानी में जहां सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन, पाम और बिनौला तेलों के दाम मजबूत हुए। बाजार में आयातित खाद्य तेलों की उपलब्धता और लिवाली के रुझान ने कीमतों को प्रभावित किया।ऊंची कीमतों पर कम पूछताछ और आयातित खाद्य तेलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते राष्ट्रीय राजधानी में सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसानों और स्टॉकिस्टों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होने के बावजूद लिवाली सुस्त बनी रही। दूसरी ओर, सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। पिछले 20-22 दिनों में आई कीमतों की कमी के बाद किसानों ने निचले स्तर पर बिकवालीघटा दी। परिणामस्वरूप, महाराष्ट्र के लातूर जैसे बाजारों में प्लांट मालिकों ने सोयाबीन की खरीद दर 80 रुपये बढ़ाकर करीब 7,440 रुपये प्रति क्विंटल कर दी, जिससे कम आवक और बढ़ती मांग ने कीमतों को सहारा दिया।

औद्योगिक मांग बढ़ने से पाम-पामोलीन तेल की कीमतों में भी तेजी दिखी।

बाजार में बिनौले की उपलब्धता नगण्य रहने से बिनौला तेल भी मजबूत हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर रहे, क्योंकि यह आयातित सूरजमुखी तेल से 10-12 रुपये प्रति किलो सस्ता होने के कारण लगातार मांग में बना रहा। हालांकि, इनकी औद्योगिक मांग का एक हिस्सा अपेक्षाकृत सस्ते पाम-पामोलीन तेल से भी पूरा किया गया।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः सरसों तिलहन - 7,525-7,550 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 6,625-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,480-2,780 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 15,425 रुपये प्रति क्विंटल ।

## ग्रेट निकोबार परियोजना देश की आर्थिक रीढ़ बनेगी, विरोधियों पर बरसे रीजीजू

### केंद्रीय मंत्री ने परियोजना को आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता का केंद्र बताया

श्री विजय पुरम (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में ग्रेट निकोबार परियोजना को भारत की आर्थिक वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला में आत्मनिर्भरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने परियोजना के विरोधियों पर तीखा हमला बोला, आरोप लगाया कि वे देश की प्रगति नहीं देखना चाहते। रीजीजू ने कहा कि यह परियोजना देश की आर्थिक वृद्धि का केंद्रबिंदु बनेगी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख समुद्री एवं लॉजिस्टिक केंद्र के रूप में उभरेगी। उन्होंने जोर दिया कि परियोजना आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधते हुए सभी नियमों व मानकों का पालन कर रही है। मंत्री ने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग भारत की प्रगति नहीं देखना चाहते। उन्होंने पिछली यात्राओं के दौरान परियोजना के खिलाफ नाटक और अभियान चलाने की आलोचना की। रीजीजू ने झूठे विमर्शों के बजाय मिलकर देश के विकास पर जोर दिया। केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए रीजीजू ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद भारत ने ईंधन कीमतों में वृद्धि को लगभग पांच प्रतिशत तक सीमित रखा, जबकि कई देशों में यह 20 से 100 प्रतिशत तक बढ़ी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम बताया।

# एआई-डीपफेक से बैंकिंग क्षेत्र में करोड़ों की सेंध, सुरक्षा प्रणालियों को चुनौती

### साइबर अपराधी ओपन-सोर्स एआई मॉडलों से तैयार कर रहे वास्तविक दिखने वाली नकली पहचान

**नई दिल्ली**

भारत का बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित डीपफेक तकनीक के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। साइबर अपराधी इस उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसी वास्तविक दिखने वाली नकली पहचानें तैयार कर रहे हैं, जो वीडियो केवाईसी और लाइवलीनेस परीक्षण जैसी सुरक्षा प्रक्रियाओं को भी आसानी से भेद रही हैं, जिससे करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नई चुनौती वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यह खतरा अब केवल सैद्धांतिक नहीं रहा है। कई वास्तविक मामलों में डीपफेक का उपयोग कर बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा चुका है। जानकारी के अनुसार, एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के साथ नकली बैंक स्टेटमेंट और डीपफेक वीडियो के जरिए 15 से 20 करोड़ रुपये तक की धोखाधड़ी की खबर है।

तकनीकी विशेषज्ञ बताते हैं कि डीपफेक तैयार करने के उपकरण टेलीग्राम और डार्क वेब पर आसानी से उपलब्ध हैं, और इन्हें सामान्य गेमिंग कंप्यूटर पर भी कम लागत में चलाया जा सकता है, जिससे जालसाजों को संगठित होने में मदद मिल रही है। सबसे गंभीर चिंता यह है कि ये डीपफेक लाइवलीनेस जांच को भी सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं, जो कैमरे के सामने मौजूद व्यक्ति की वास्तविकता सुनिश्चित करती है। यदि यह महत्वपूर्ण सुरक्षा परत विफल होती है, तो डिजिटल केवाईसी की विश्वसनीयता गंभीर रूप से प्रभावित होगी। इस खतरे को देखते हुए, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी चेतावनी जारी की है कि अपराधी सुरक्षा उपायों को भेदने के लिए एआई-आधारित तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में बैंकिंग क्षेत्र में 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 46त्न अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी अपनी डिजिटल पहचान और उपकरणों की सुरक्षा के प्रति अत्यधिक सतर्क रहना होगा। यह खतरा अब केवल बैंकिंग तक सीमित नहीं हैबल्कि ई-कॉमर्स, सोशल मीडिया और ऑनलाइन डेटिंग प्लेटफॉर्म सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी फैल रहा है।

## भारत का राजकोषीय दुविधा में, क्यों कम पड़ रही है तैयारी?

### वित्त मंत्री के 3 एफ अपर्याप्त, भारत को चौथे एफ राजकोषीय गुंजाइश की सख्त दरकार

**नई दिल्ली**

। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मौजूदा संकट से निपटने के लिए विदेशी मुद्रा, ईंधन और उर्वरक पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है, जिसे उन्होंने 3 एफ का नाम दिया।

हालांकि, आर्थिक विश्लेषकों और विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को एक चौथे, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण एफ - राजकोषीय गुंजाइश ( फिसकल स्पेश) की सख्त दरकार है। उनका तर्क है कि यदि भारत ने अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों में पर्याप्त राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो आज उसके पास अनपेक्षित संकट का सामना करने के लिए कहीं अधिक विकल्प उपलब्ध होते। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड संकट (2022-23) के बाद के तीन अच्छे वर्षों में यदि भारत ने अधिक राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो मौजूदा अप्रत्याशित संकट का सामना करने में उसके पास बेहतर विकल्प होते। एक विश्लेषक ने जनवरी 2025 में ही चेतावनी दी थी कि अनुकूल समय में राजकोषीय गुंजाइश न बनाने पर अगला संकट बेतहाशा कठिन होगा।

इस चेतावनी को नजरअंदाज किया गया, और आज भारत सीमित विकल्पों के साथ एक ऐसे संकट का सामना कर रहा है जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। केंद्र सरकार की राजकोषीय घाटे में कमी की राह बहुत धीमी रही है। f

इसी अवधि में, वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 में राज्यों का राजकोषीय घाटा भी बढ़ा, जिससे सार्वजनिक ऋण जीडीपी के 80 प्रतिशत से ऊपर ही बना रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, इस धीमी राजकोषीय सुधार ने निजी निवेश के लिए वित्तीय नियंत्रण को बढ़ाया है और वाणिज्यिक ब्याज दरों को उच्च बनाए रखा है।

राजकोषीय घाटे को तेजी से कम करने का एक प्रभावी तरीका निजीकरण था, लेकिन एयर इंडिया की बिक्री के बाद

यह प्रक्रिया लगभग ठप पड़ गई। राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान के एक अध्ययन का हवाला देते हुए विशेषज्ञ तर्क देते हैं कि रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने वाली महारत्न कंपनियों को छोड़कर, इतने अधिक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बनाए रखने का कोई कारण नहीं है।

# मन की साधना

**चतुर्मास** का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

# भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

**गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।**

# गीता में है जीवन का ज्ञान

**गीता** का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अत: भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

# जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

## विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

## ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

# सूजन, इंफेक्शन और शुगर को कम करती हैं इमली की पत्तियां

इमली में औषधीय गुण होते हैं, इससे हम सभी वाकिफ हैं, लेकिन इमली की पत्तियां भी बेकार नहीं हैं। कई ऐसे घरेलू नुस्खे हैं, जिसमें इमली की पत्तियों का इस्तेमाल कर सेहत की समस्याओं में राहत मिलती है। इमली की पत्तियों में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। जब इमली की पत्तियों का रस निकाला जाता है और घावों पर लगाया जाता है, तो ये घाव को तेजी से ठीक करता है। इसके पत्तों का रस किसी भी अन्य संक्रमण और परजीवी विकास को रोकता है। इसके अलावा यह नई कोशिकाओं का निर्माण भी तेजी से करता है।

- इमली की पत्तियों के अर्क से स्तनपान कराने वाली माताओं में स्तन के दूध की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इमली की पत्तियों का अर्क जननांग के संक्रमण को रोकता है और इसके लक्षणों से राहत प्रदान करने में भी उपयोगी है।
- इमली की पत्ती विटामिन सी का भंडार होती हैं, जो कि किसी भी सूक्ष्मजीव के संक्रमण से शरीर की रक्षा करती है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।
- पत्तियों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए पपीता, नमक और पानी को पत्तियों में मिलाया जा सकता है, लेकिन, सुनिश्चित करें कि आप बहुत अधिक नमक का उपयोग नहीं करते हैं।
- इमली की पत्तियों में सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं और जोड़ों के दर्द और अन्य सूजन के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इमली की पत्तियों का सेवन करने से शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और इंसुलिन संवेदनशीलता भी बढ़ जाती है। इससे शुगर की बीमारी (मधुमेह) में राहत मिलती है। यह पीलिया को ठीक करने में भी मदद करती है।
- स्कर्वी विटामिन सी की कमी के कारण होता है। यह नाविक की बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, आमतौर पर स्कर्वी मसूड़ों और नाखूनों, थकान आदि जैसे लक्षणों के साथ होता है। इमली के पत्तों में उच्च एस्कॉर्बिक एसिड सामग्री होती है, जो एंटी-स्कर्वी विटामिन के रूप में कार्य करती है।

# घर में मैनीक्योर करते समय न करें ये गलतियां

घर में मैनीक्योर करने की विधि के वक्त आप गलतियां न करें, उसके लिए उन्हें जान लेना जरूरी है।

## नाखूनों को ज्यादा छोटा न करें

कई बार महिलाएं नाखूनों को ज्यादा छोटा कर देती हैं। जरूरी नहीं कि मैनीक्योर के वक्त नाखूनों को काटना ही हैं। अगर आपके नाखून पहले से ही छोटे हैं, तो उन्हें न काटें। बस फाइल के जरिए उन्हें सही आकार दें। अगर आपके नाखून बहुत लंबे हैं, तो बस उन्हें आधा काटें और फिर उन्हें सही आकार दें। नाखूनों को बहुत छोटा करने से लुक खराब हो सकता है।

## क्यूटिकल्स को ट्रिम करने से बचें

क्यूटिकल त्वचा कोमल होती है। आपको उन्हें पूरी तरह से काटने की आवश्यकता नहीं है, बस उन्हें थोड़ा पीछे कर दें। अगर आपको लगता है कि आपको बहुत क्यूटिकल है तो हर दिन नहाते वक्त उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश करें। जब आप शॉवर लेते हैं, तो आपके क्यूटिकल्स नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें पीछे धकेलना आसान हो जाता है।

## फाइलर का उपयोग ध्यान से करें

अपने नाखूनों को आकार देने के लिए फाइलर का उपयोग ध्यान से करें। फाइलर को हर दिशा में न घुमाएं, बल्कि जब आप एक तरफ से नाखून को फाइल करना शुरू करते हैं, तो उसी तरफ से पूरे नाखून को फाइल करें।

## नाखूनों को अच्छे से साफ करना न भूलें

नेल पॉलिश लगाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके नाखूनों में मॉइस्चराइजर, पानी या गंदगी तो नहीं है। उन्हें अच्छी तरह से साफ करने के लिए एक लिंट-फ्री वाइप और नॉन-एसीटोन नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल करें।

## नेल पोलिश की ज्यादा मोटी लेयर न लगाएं

जब नेल पॉलिश लगाएं, तो ध्यान रहे कि आप नेल पॉलिश की ज्यादा मोटी परत न लगाएं और लगातार दो कोट न लगाएं, वरना पॉलिश खराब हो सकती है। एक कोट लगाने के बाद जब नेल पॉलिश सूख जाए, तो दूसरा कोट लगाएं। नाखूनों को मोड़कर नेल पॉलिश न लगाएं, नहीं तो आपकी नेल पॉलिश खराब हो सकती है। इसके अलावा, ध्यान रहे कि आप नाखूनों के कोने से लेकर सिरे तक अच्छे से नेल पॉलिश लगाएं।

जब आपको सही तरीके से मैनीक्योर करने की विधि पता हो और आपके पास मैनीक्योर की सामग्री मौजूद हो, तो घर में मैनीक्योर करना बहुत आसान हो जाता है। इससे न सिर्फ वक्त बचता है, बल्कि पैसे की भी काफी बचत हो सकती है। इन तमाम नियमों का पालन कर आप घर में खुद से मैनीक्योर करके देखें और हमारे साथ अपने अनुभव कमेंट बॉक्स में शेयर करना न भूलें। इसके अलावा, अगर आपके पास भी मैनीक्योर एट होम के कुछ अन्य टिप्स हैं, तो हमारे साथ जरूर शेयर करें।

# रेसिपी

## मेथी का रायता

### सामग्री

■ ताजी मेथी: 50 ग्राम ■ गाढ़ा दही: 1 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ लहसुन की कलियां: 4-5 बारीक कटी ■ चाट मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक: 1/2 टीस्पून ■ चीनी: 1/4 टीस्पून ■ रेड चिली पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून ■ धनिया पत्ती: 1 टेबलस्पून बारीक कटी

### विधि

बोल में दही निकालकर उसमें थोड़ा पानी मिलाकर अच्छी तरह चलाकर अलग रख दें। फ्राइंगपैन में एक टेबलस्पून ऑलिव डालकर गर्म करें। इसमें प्याज, लहसुन और मेथी डालकर भून लें। ऊपर से नमक, चीनी, रोस्टेड जीरा और चाट मसाला डालकर मिलाएं। तड़का लगाने के लिए तड़के की सामग्री एक-एक कर डालें और दही वाले बोल में डालकर मिलाएं। धनिया से गार्निश करें।

## स्पाइसी बीन कबाब

### सामग्री

■ आधा प्याज बारीक कटा हुआ ■ 4-6 बारीक कटा लहसुन ■ उबला व बचा हुआ राजमा : 2 कप ■ ओट्स: 1 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स आधी हैलेपीन्यो (पिज्जा में इस्तेमाल होने वाली विनेगर वाली मिर्च): 1/2 कप ■ कॉर्न : 1/2 कप ■ रेडीमेड स्पाइसी मस्टर्ड सॉस: 2 टेबलस्पून ■ रोस्टेड जीरा: 1 टेबलस्पून ■ सोय सॉस: 1/4 कप ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक और काली मिर्च पाउडर स्वाद के अनुसार ■ कुछ धनिया

### विधि

एक बड़े बोल में सारी सामग्री डालकर एक साथ मिलाएं। इस मिश्रण में मनचाहे आकार के कबाब बनाकर दो घंटे के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। अब फ्रिज से निकालकर इन्हें शैलो फ्राई कर लें। तैयार कबाब को हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

**धनु** (ये यो भा भी भू): कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी।

संरक्षक: संजय शुक्ला,( सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह संपादक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

## काकुरो पहेली - 3925

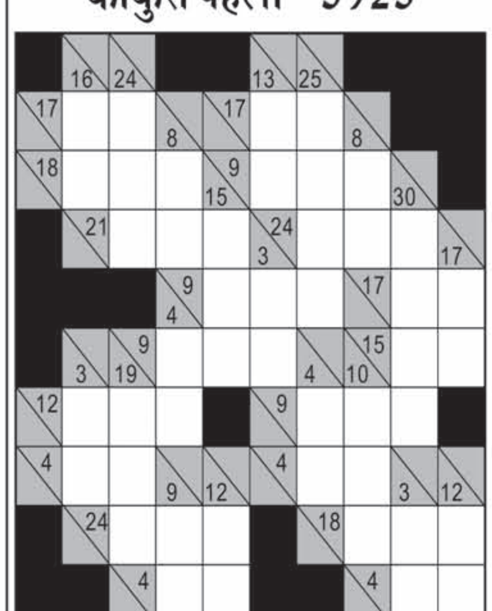

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

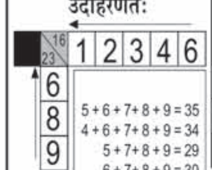

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3924 का हल

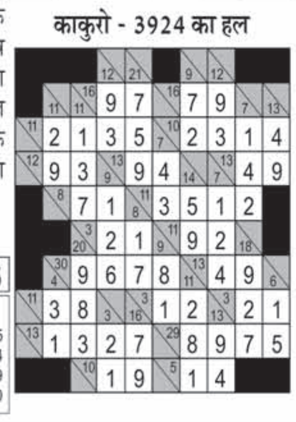

## हंसी के फूव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'

'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ .'

□ □ □

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.

'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.

'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

□ □ □

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?

रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

□ □ □

एक महिला ने अपनी सखी को बताया,'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

□ □ □

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा-'यह साइकिल तुम्हारी है?'

'जी नहीं.'

'तुम्हारा नाम'

'जी वह मेरा अपना है.'

## फिल्म वर्ग पहेली- 3925

**बायें से दायें:-**

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3924

## सूडोकु -3925

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | | | 8 | | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| | | 8 | 6 | | 9 | 5 | | |
| 6 | 5 | | | 4 | | | 7 | 1 |
| | 4 | | | | | | 2 | |
| 1 | 2 | | | 6 | | | 9 | 8 |
| | | 6 | 4 | | 5 | 8 | | |
| | | | | | | | | |
| 9 | | | | 1 | | | | 7 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3924 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | 4 | 3 | 9 | 7 | 5 | 1 | 6 |
| 3 | 5 | 6 | 1 | 4 | 2 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | 9 | 7 | 6 | 5 | 8 | 2 | 3 | 4 |
| 9 | 6 | 2 | 5 | 8 | 3 | 1 | 4 | 7 |
| 5 | 3 | 1 | 4 | 7 | 9 | 8 | 6 | 2 |
| 4 | 7 | 8 | 2 | 1 | 6 | 9 | 5 | 3 |
| 2 | 8 | 3 | 9 | 6 | 1 | 4 | 7 | 5 |
| 6 | 1 | 5 | 7 | 2 | 4 | 3 | 9 | 8 |
| 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 2 | 1 |

## शब्द पहेली - 3925

**बाएँ से दाएँ**

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

**ऊपर से नीचे**

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -3924 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी